

भारत ने ट्रंप से डील करने के लिए “मर्करी पब्लिक अफेयर्स” की सेवाएं लीं

यह पोलिटिकल लॉबिंग फर्म है जिसकी वाइट हाउस में गहरी पैठ है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 25 अगस्त। टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर लड़ाई अब केवल व्यापारिक मंचों और शिखर सम्मेलनों तक सीमित नहीं रही – यह वॉशिंगटन के प्रभाव वाले क्षेत्रों तक पहुंच चुकी है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक की भारी ड्यूटी लगाए जाने की संभावना के बीच, नई दिल्ली ने अपने सबसे प्रभावशाली राजनीतिक हथियार “लॉबिंग” को सक्रिय कर दिया है। वाइट हाउस से गहरे संबंध रखने वाली एक दूसरे नम्बर की हाई-पावर्ड फर्म को हायर करके भारत ने साफ संकेत दे दिया है कि वह अपने आर्थिक हितों या वॉशिंगटन में अपनी रणनीतिक पकड़ को बिना लड़े कमजोर नहीं होने देगा। यूएस फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट (एफएआरए) के तहत हुए अनिवार्य खुलासों के अनुसार, वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने “मर्करी पब्लिक अफेयर्स” नामक फर्म के साथ तीन महीने का अनुबंध किया है, जिसकी कुल लागत 225,000 (लागभग 1.96 करोड़)

- ट्रंप के साथ टैरिफ वॉर में अब भारत ने अपने सबसे महत्वपूर्ण हथियार को काम में लिया है और वह है “पोलिटिकल लॉबिंग” इसके लिए मर्करी पब्लिक अफेयर्स से 1.96 करोड़ रु. में तीन माह का करार किया है।
- वाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप की प्रभावशाली चीफ ऑफ स्टाफ सुजी वाइल्स से मर्करी की निकटता जग जाहिर है। सुजी मर्करी के लिए काम कर चुकी हैं।
- भारत के अलावा डेनमार्क, इक्वाडोर, आर्मेनिया व दक्षिण कोरिया ने भी इस फर्म की सेवाएं ली हैं।
- अमेरिका में लॉबिंग बेहद महत्वपूर्ण है। आर्थिक रूप से विपन्न पाकिस्तान भी 6 ऐसी फर्मों पर प्रति माह 5.2 करोड़ रु. खर्च करता है।

है। यह अनुबंध 15 अगस्त से प्रभावी है और इसके तहत मरकरी को संघीय लॉबिंग, मीडिया आउटरीच, सोशल मीडिया रणनीति, विज्ञापन, और भारत की सार्वजनिक छवि का डिजिटल ऑडिट करना है, जो नवंबर के मध्य तक चलेगा। इस व्यवस्था को खस बनाने वाली बात यह है कि मरकरी का वर्तमान वाइट हाउस से बेहद नजदीकी संबंध है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प की प्रभावशाली चीफ ऑफ स्टाफ सुजी वाइल्स पहले मरकरी के वॉशिंगटन और फ्लोरिडा कार्यालयों की प्रमुख रह चुकी हैं और ट्रम्प के 2024 के चुनाव अभियान की अगुआई भी कर चुकी हैं। यह व्यक्तिगत और संस्थागत संबंध भारत की वॉशिंगटन के व्यक्तित्व-प्रधान सत्ता

गलियारों में अधिक प्रभावशाली बना सकता है। भारत इस राह पर अकेला नहीं है। ट्रम्प की सत्ता में वापसी के बाद डेनमार्क, इक्वाडोर, आर्मेनिया और दक्षिण कोरिया जैसे कई देशों ने भी मरकरी को हायर किया है। हालांकि नई दिल्ली के लिए स्थिति ज्यादा गंभीर है, क्योंकि नया टैरिफ ढांचा अमेरिकी बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकता है, एक ऐसे समय में जब द्विपक्षीय व्यापार भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की रीढ़ बन चुका है। मर्करी के साथ हुआ यह समझौता वॉशिंगटन में भारत की पहले से मजबूत लॉबिंग उपस्थिति में एक और कड़ी जोड़ता है। सन् 2023 से भारत ने सालाना 1.8 मिलियन (लगभग 15.7 करोड़) की फीस पर दायर कर रखा है, जिसका नेतृत्व ट्रम्प के पूर्व सलाहकार जेसन मिलर कर रहे हैं। यह अनुबंध रणनीतिक सलाह, सरकारी संपर्क और भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, विशेषकर ऐसे समय में जब वॉशिंगटन भारत की विदेश नीति, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जंतर-मंतर पर फिर डटे किसान

नई दिल्ली, 25 अगस्त। फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की मांग को लेकर किसान एक बार फिर प्रदर्शन करने की राह पर हैं। सोमवार को जंतर-मंतर पर हजारों किसानों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार से एमएसपी की मांग की। किसानों का कहना है कि एमएसपी किसानों के लिए मूल अधिकार के समान है जिसके बिना खेती को लाभकारी नहीं बनाया जा सकता। किसानों की मांग है कि केंद्र सरकार उन्हें कर्ज से मुक्ति दे और एमएसपी को कानूनी अधिकार घोषित

- किसानों ने सरकार से एमएसपी देने की मांग की है।
- करे जिससे उन्हें अपनी ही फसलों के लिए सही दाम पाने के लिए बार-बार आंदोलन न करना पड़े। किसानों की महापंचायत में पंजाब से आए सुखविंदर सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने पिछले 10-11 वर्षों के कार्यकाल में देश के बड़े उद्योगपतियों के लाखों करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर चुकी है। लेकिन पूरे देश के किसानों का पूरा कर्ज 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक नहीं है। ऐसे में केंद्र सरकार को किसानों को एकमुश्त कर्ज से मुक्ति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डूंगरपुर में भारी बारिश, बेणेश्वर धाम टापू बना

माही बांध के गेट खोले जाने के बाद से बेणेश्वर धाम के चारों तरफ पानी भर गया है

डूंगरपुर, 25 अगस्त (निसं)। जिले भर में पिछले दो दिन लगातार तेज व मध्यम गति की बारिश हो रही है, जिसके कारण जिले के कई तालाब व बांध अपनी भराव क्षमता को पार कर चुके हैं। वहीं जिले का प्रमुख आस्था का केंद्र बेणेश्वर धाम तीन दिन से टापू बना हुआ है। जबसे माही बांध के गेट खोले गए तबसे जिले का सबसे बड़ा धर्मस्थल बेणेश्वर धाम के चारों ओर पानी ही पानी है। तीन दिन पूर्व वहां पर बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री फंस गए थे, जिन्हें प्रशासन ने सुरक्षित निकाला। सोमवार को यही हालात रही, मौके पर प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त है, ताकि कोई जनहानि न हो। प्रशासन ने बेणेश्वर धाम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। वहीं जिले के सबसे बड़े बांध सोम कमला आम्बा के सात गेट 1-1 मीटर खोले गये हैं तथा आसपास के कारस्तकारों को सावधान कर दिया गया है। इधर लगातार बारिश के चलते पुराने

- प्रशासन ने वहां फंसे श्रद्धालुओं को निकाला और मौके पर प्रशासनिक अधिकारी को तैनात किया ताकि हालात पर नज़र रखी जा सके।
- डूंगरपुर जिले के सभी बांध और तालाब लबालब हो गए हैं तथा कई बांध ओवर फ्लो हो रहे हैं।
- कागदर नदी उफान पर है, जिससे देव सोमनाथ पुल पर एक से दो फीट पानी बह रहा है।
- डूंगरपुर शहर में भी बारिश से हालात खराब हैं। सड़कों पर दो से तीन फीट पानी है। स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों आदि में छुट्टी कर दी गई है।

शहर में सड़कें दरिया बन गई हैं। सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। डूंगरपुर में भारी बारिश के अलर्ट के चलते सोमवार को स्कूल, मां बाड़ी केंद्र और आंगनवाड़ी केंद्रों में छुट्टियां रही। डूंगरपुर शहर के पुराना विजय स्कूल की चार दीवारी का कुछ हिस्सा ढह गया है। हालांकि स्कूल में छुट्टी की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई है। जिले

के कनबा इलाके में सबसे अधिक साढ़े तीन इंच बरसात हुई है, जबकि डूंगरपुर और देवल में ढाई-ढाई इंच बरसात हुई है। अमरपुर सहित 7 छोटे-बड़े बांध व तालाब ओवरफ्लो हो गए हैं। कागदर नदी से लगातार पानी की आवक के कारण जहां देवसोमनाथ पुल पर एक से दो फीट पानी बह रहा है, इसलिए दोनों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने सांसदों, विधायकों, प्रत्याशियों व पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंथन किया

जयपुर, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान2047 के संकल्प को तेजी से साकार करने के क्रम में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक-सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तोड़गढ़ , भीलवाड़ा एवं बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसदों एवं प्रत्याशियों तथा इन संसदीय क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों, प्रत्याशियों तथा भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ गहन मंथन किया। इस दौरान शर्मा ने राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए उनसे प्रदेश के विकास के कार्यों के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन के माध्यम से सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर जनसेवा के नए कौर्तिमान स्थापित किए हैं। संवाद के दौरान सांसद-विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों ने राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान में ऐतिहासिक निर्णयों से अभूतपूर्व

उन्होंने प्रदेश के विकास के कार्यों के लिये प्रतिबद्धता से काम करने का आह्वान किया

- पहले दिन मुख्यमंत्री आवास पर हुए गहन मंथन में कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तौड़, भीलवाड़ा व बांसवाड़ा के जनप्रतिनिधी शामिल हुए।

बदलाव आए है। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि, आज सरकार और संगठन बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। सांसद और विधायक सहित संगठन के



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक-सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़ , भीलवाड़ा एवं बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसदों, विधायकों, प्रत्याशियों तथा भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ गहन मंथन किया।

पदाधिकारी राज्य सरकार की अभूतपूर्व उपलब्धियों से गौरवान्वित है।

संवाद कार्यक्रम के पश्चात पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी

एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते

हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नवाचार करते हुए जनप्रतिनिधियों और पार्टी

पंचायत चुनाव जल्दी कराने के कोर्ट के आदेश पर रोक लगी

जयपुर, 25 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ की ओर से गत 18 अगस्त को प्रदेश की पंचायतों के चुनाव जल्दी कराने और करीब डेढ़ दर्जन प्रशासकों को पद से हटाने पर रोक लगाने के आदेश पर खंडपीठ ने रोक लगा दी है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील पर दिए। अदालत ने कहा कि समान बिंदु पर खंडपीठ के समक्ष मामला लंबित है।

अपील में अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर ने बताया कि एकलपीठ ने गत 18 अगस्त को पंचायतों के चुनाव जल्दी कराने के

- हाईकोर्ट की एकलपीठ के आदेश की क्रियान्विति पर डबल बेंच ने रोक लगाई।

आदेश देते हुए याचिकाकर्ता प्रशासकों को पद से हटाने पर रोक लगाई थी। अपील में कहा गया कि पूर्व में पंचायतों के तीन चरणों में चुनाव हुए थे। ऐसे में संबंधित सरपंचों का कार्यकाल भी अलग-अलग चरणों में पूरा हो रहा है। राज्य सरकार सभी पंचायतों के चुनाव एक साथ कराना चाहती है। इसलिए कार्यकाल पूरा कर चुके सरपंचों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया गया। यह व्यवस्था अस्थायी तौर पर और पंचायतों के दैनिक कामकाज को सुचारु चलाने के लिए की गई थी। वहीं बाद में कुछ प्रशासकों की शिकायत मिलने पर उन्हें (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘धनखड़ के बारे में सच-झूठ की व्याख्या विपक्ष की राय पर आधारित नहीं होनी चाहिए’

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ के “हाउस अरैस्ट” की चर्चा पर यह बात कही

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 25 अगस्त। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने और उसके बाद सार्वजनिक रूप से पूरी तरह गायब रहने को लेकर आज केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की तो भ्रम और गहरा गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि शाह की टिप्पणी ने पूर्व उपराष्ट्रपति के इस्तीफे और उनकी गैर मौजूदगी से संबंधित रहस्य को और उलझा दिया है। जयराम रमेश ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, “श्री जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई, 2025 की रात को अचानक और अप्रत्याशित रूप से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। यह अभूतपूर्व था एक दिन बाद, प्रधानमंत्री ने बस उन्हें अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामना दी। आज गृह मंत्री ने कुछ और कहने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने रहस्य को और गहरा ही किया है।” उनकी यह टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान के बाद आई जिसमें उन्होंने कहा कि धनखड़ ने स्वास्थ्य

- गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, धनखड़ के त्यागपत्र में साफ लिखा था वे स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे रहे हैं। इसमें ज्यादा सोच विचार की जरूरत नहीं है।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केन्द्रीय गृह मंत्री शाह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शाह के स्पष्टीकरण से धनखड़ की गैर मौजूदगी पर रहस्य और गहरा हो गया है।
- जयराम रमेश ने कहा कि शाह यह नहीं बता पाए कि किसानों के हितैषी और इतने मुखर नेता धनखड़ से इस्तीफा देने के बाद कोई संवाद क्यों नहीं हो पा रहा है।
- ज्ञातव्य है कि धनखड़ ने मानसून सत्र के पहले ही दिन स्वास्थ्य कारणों से अचानक इस्तीफा दे दिया था, तब से वे सार्वजनिक जीवन से गायब हैं।

कारणों से इस्तीफा दिया और विपक्ष को इस मुद्दे को तुल नहीं देना चाहिए। समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में शाह ने कहा, धनखड़ साहब का इस्तीफा पत्र अपने आप में स्पष्ट है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री, अन्य मंत्रियों और सरकार के सदस्यों के

प्रति अपने अच्छे कार्यकाल के लिए हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए इस आरोप कि धनखड़ को नजरबंद कर दिया गया है, निराधार है। उन्होंने कहा, “सच और झूठ की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘सुदर्शन रेड्डी पर शाह की टिप्पणी पूर्वाग्रह से भरी गलत व्याख्या है’

सुप्रीम कोर्ट के 7 पूर्व न्यायाधीशों सहित 18 पूर्व जजों ने अमित शाह के खिलाफ हस्ताक्षरित बयान जारी किया

नई दिल्ली, 25 अगस्त। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के एक समूह ने सलवा जुद्ध फैंसले को लेकर विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे बचना ही समझदारी होगी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकर और जे. चेलमेश्वर सहित 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के समूह ने यह भी कहा कि एक उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से शीर्ष अदालत के फैसले की पूर्वाग्रहपूर्ण गलत व्याख्या से न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

दरअसल, शाह ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी पर नक्सलवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि सलवा जुद्ध फैंसले के बिना वामपंथी उपद्रव 2020 तक समाप्त हो गया होता। 18 पूर्व न्यायाधीशों द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया कि केंद्रीय

- शाह के खिलाफ बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस चेलमेश्वर, मदन बी.लोकुर, कुरियन जोसेफ, अभय ओका, गोपाल गौड़ा व विक्रमजीत सेन शामिल हैं।
- सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के समूह ने कहा कि एक उच्च राजनैतिक पदाधिकारी द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या करने से न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- ज्ञातव्य है कि अमित शाह ने कहा था कि सुदर्शन रेड्डी ने सलवा जुद्ध खत्म करने का फैसला न दिया होता तो नक्सलवाद 2020 में ही खत्म हो जाता।

गृह मंत्री अमित शाह का सलवा जुद्ध मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की सार्वजनिक रूप से गलत व्याख्या करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह फैसला कहीं भी, न तो स्पष्ट रूप से और न ही इसके पाठ के किसी भी निहितार्थ के माध्यम से, नक्सलवाद या उसकी विचारधारा का समर्थन करता है। इस बयान पर हस्ताक्षर

करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ए के पटनायक, अभय ओका, गोपाल गौड़ा, विक्रमजीत सेन, कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर भी हैं। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा, भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रचार अभियान वैचारिक हो सकता है, लेकिन

इसे शालीनता और गरिमा के साथ चलाया जा सकता है। किसी भी उम्मीदवार की तथाकथित विचारधारा की आलोचना से बचना चाहिए। किसी उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की पूर्वाग्रह पूर्ण व्याख्याता गलत व्याख्या का सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को हिला सकता है। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति के पद के सम्मान में नाम-निंदा से बचना ही समझदारी होगी। सुप्रीम कोर्ट के सात सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के अलावा उच्च न्यायालयों के तीन पूर्व मुख्य न्यायाधीशों गोविंद माथुर, एस. मुलीराल और संजीव बनर्जी ने भी बयान पर हस्ताक्षर किए। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश अंजना प्रकाश, सी. प्रवीण कुमार, ए. गोपाल रेड्डी, जी. रघुपाम, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संघ का तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम आज से

नई दिल्ली, 25 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। संघ ने शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए दिल्ली में तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम करने का एलान किया गया। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने सोमवार को कार्यक्रम की

- संघ के शताब्दी वर्ष की तैयारी के सम्बंध में यह कार्यक्रम दिल्ली में हो रहा है, जिसमें मोहन भागवत भी हिस्सा लेंगे।

जानकारी दी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने कहा कि आरएसएस शताब्दी वर्ष दो अक्टूबर विजयादशमी से शुरू होगा। शताब्दी वर्ष पर संघ के विचारों को समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से दिल्ली में तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 26, 27 और 28 (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विश्व इतिहास में प्रत्येक महान और महत्त्वपूर्ण आन्दोलन उत्साह द्वारा ही सफल हो पाया है। –एमर्सन

सुशासन के लिए अधिक आवश्यक क्या - नियम या नीयत?

भारत का संविधान विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक है। यहां पर अनेक प्रकार के कानून, नियम, प्रक्रियाएं और दिशा निर्देश बने हुए हैं। इन सबके उपरांत भी अभी तक भारत में असमानता इतनी अधिक क्यों है? सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ वांछित, वंचित वर्ग तक क्यों नहीं पहुंचता है? क्यों भ्रष्टाचार दिन-प्रतिदिन अधिक फल फूल रहा है?

सरकार का हर निर्णय इसी कथित उद्देश्य से लिया जाता है कि उससे भ्रष्टाचार कम होगा और आम जन को अपने कार्य करवाने में सुविधा मिलेगी। उसे अनावश्यक दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वास्तव में ऐसा होता किसी को दिखाई नहीं देता। यहां तक कि जैसे-जैसे डिजिटाइजेशन और कंप्यूटराइजेशन बढ़ता गया, वैसे-वैसे भ्रष्टाचार भी कम होने के स्थान पर बढ़ता गया।

सरकार के सभी विभागों की समान स्थिति है, चाहे वे आधारभूत संरचना के निर्माण में लगे हों, शिक्षा, स्वास्थ्य प्रदान करने के काम में लगे हों, गरीबी उन्मूलन के कार्य में लगे हों या सामाजिक कल्याण और न्याय की विभिन्न योजनाओं को लागू करने के काम में लगे हों। सरकार ने बजट की कमी के कारण यह तय किया कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबको देने के स्थान पर केवल गरीब लोगों की पहचान करके उन्हें ही लाभान्वित किया जाय। इस उद्देश्य से 197८ में अंत्योदय योजना प्रारंभ की गई तो गांव के पांच सबसे गरीब परिवारों की पहचान करके योजनाओं का लाभ उन्हें देने का निर्णय लिया गया। चूंकि यह निर्णय गांव के लोगों के समक्ष लिया जाता था, अधिकांशतया वही लोग अंत्योदय परिवारों में चयनित किए गए जो वास्तव में गरीब थे। इस योजना का लाभ भी बड़ी सीमा तक निर्धन व्यक्तियों तक पहुंचा।

बाद में जब बीपीएल योजना प्रारंभ हुई तो उसमें बहुत सारे मापदंड बना दिए गए जिनके आधार पर सर्वे किया गया और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले (बी पी एल) लोगों की सूची बनाई गई। जब बीपीएल में चयनित लोगों को लाभ देने का प्रश्न आया तो देखा गया कि कई प्रभावशाली और अपेक्षाकृत संपन्न व्यक्ति भी बीपीएल की सूची में सम्मिलित हो गए। जो वास्तव में गरीब थे और जिनकी कोई पहुंच सरकारी अधिकारियों तक नहीं थी, उनमें से अधिकांश सूची में सम्मिलित होने से वंचित रह गए। इसके लिए योजना को दोष नहीं दिया जा सकता अपितु जिन लोगों ने बीपीएल का सर्वे किया उनकी नीयत सही नहीं थी। यदि वे गरीब लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की मानसिकता रखते, तो सरकारी धन का दुरुपयोग होने से बचा जा सकता था ।

यही हाल सरकार द्वारा गरीबों को ५ किलो राशन बांटने की योजना का हो रहा है । ये समाचार लगातार पढ़ने में आते हैं कि कई आयकर दाता भी मुफ्त राशन का लाभ उठा रहे हैं । ऐसा नहीं है कि स्थानीय स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों/ कर्मचारियों को उनके क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति का पता न हो । किंतु जब उनकी नीयत ही ठीक नहीं है तो फिर उसका लाभ भी गलत लोगों को ही मिलेगा। नीयत का प्रश्न तब अधिक प्रासंगिक होता है जब चयनित व्यक्तियों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ देना हो, जबकि उसके पात्र उससे कहीं अधिक संख्या में हों । जो व्यक्ति अपने प्रभाव के कारण गरीबों की सूची में सम्मिलित हो जाएंगे वे लाभ लेने में सबसे आगे रहेंगे और वास्तविक वंचित व्यक्ति उसी स्थिति में रह जाएंगे।

परिवहन विभाग में जब लाइसेंस देने का काम ऑनलाइन नहीं हुआ था, तब शायद कई लोग बिना एजेंट की सहायता से भी अपना लाइसेंस परिवहन कार्यालय में जाकर बनवा लेते थे। अब, जब से ऑनलाइन लाइसेंस बनाने का कार्य प्रारंभ हुआ है तब से एजेंट व्यवस्था समाप्त होने के स्थान पर और मजबूत हो गई है। जब विभाग यह दावा करता है कि घर बैठे आप सारा काम कर सकते हैं तो अधिकांश लोग एजेंटों से काम करवाने हेतु क्यों मजबूर हैं? कारण स्पष्ट है, ऑनलाइन व्यवस्था ऐसे बनेर है कि उस पर काम करना ही संभव नहीं है। सस्का मुख्य कारण विभागीय अधिकारियों की विकृत मानसिकता ही है। अधिकांश सरकारी अधिकारी केवल टाइम पास करने या पैसा बनाने की नीयत से ही सरकारी नौकरी में आते हैं।

स्थायी निकाय जैसे जेडीए, यूआरटी, नगर निगम आदि से अधिकांश नागरिकों का वास्ता पड़ता है। सब काम जैसे नक्शा पास कराना हो, किसी व्यापार का लाइसेंस लेना हो, कन्वर्शन कराना हो वह संबंधित अधिकारी या कर्मचारी की 'सेवा पूजा' किए बगैर संभव नहीं है। हमारे एक मित्र ने एक नगर निगम में जब भू उपयोग परिवर्तन का प्रार्थना पत्र दिया तो उस पर 7० बार आपत्तियां लगाई गईं। उनसे कहा गया कि आप 1० लाख रुपए एजेंट को देते तो आपका काम तत्काल हो सकता था। यह सब दोष नियमों का नहीं केवल मात्र नीयत का है। अधिकांश विभागों में जहां ऑनलाइन की व्यवस्था है, वहां का पोर्टल काम ही नहीं करता। यही हाल हेल्प लाइन नंबर का है। मेरा व्यक्तिगत अनुभव यह है कि सरकारी काम में न पैसे की कमी आडे आती है न नियमा जो बात आडे आती है, वह है अधिकाारियों की नीयत।

नरगा में भ्रष्टाचार को रोकने की दृष्टि से सारे कामों की सूची ऑनलाइन वेबसाइट पर उपलब्ध की गई। इसके बावजूद नरगा देश की भ्रष्टतम योजना में से एक बनकर रह गई है, क्योंकि इसमें काम करने वाले लोगों की नीयत अच्छी नहीं है। इस कानून में प्रवधान है कि 1५ दिन में काम न मिलने पर ग्रामीण को बेरोजगारी

जिस गति से आजकल सरकार द्वारा निर्मित भवन, सड़क और पुल टूट रहे हैं, उससे यह तो स्पष्ट है कि तकनीक में बहुत अधिक विकास के बावजूद इंजीनियरों/अधिकारियों की खराब नीयत के कारण ऐसा हो रहा है। चूंकि हर काम में अधिकारियों/इंजीनियरों द्वारा कमीशन लिया जाता है। स्वीकृत राशि का बहुत कम हिस्सा वास्तव में काम पर खर्च होता है।

सर का ऑनलाइन मॉनिटरिंग किया जा सके। किंतु वास्तविकता यह है कि इससे शिक्षा के स्तर का कतई संबंध नहीं है। इसके विपरीत शिक्षकों का पूरा समय डेटा एंटी करने में ही निकल जाता है। जहां पहले ही शिक्षक कम हों, वहां इस अनावश्यक काम में लगने के कारण बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हुई है। आज का दसवीं पास विद्यार्थी तीन चार दशक पूर्व के पांचवी पास विद्यार्थी की अपेक्षा भाषा और गणित को जानकारी में कहीं पीछे है। इसी प्रकार, आज का स्नातक, कुछ दशक पहले के हाई स्कूल के समकक्ष भी नहीं है। किसी की नीयत शिक्षा में सुधार करना नहीं अपितु केवल कागजी खाना पूर्ति मात्र रह गया है। नियमानुसार 7५% से कम उपस्थिति वाले बच्चों को परीक्षा में नहीं बैठने दिया जा सकता, किंतु यह सर्व ज्ञात है कि किसी भी सरकारी विद्यालय एवं महाविद्यालय में बच्चों की उपस्थिति 1०-2०% भी नहीं रहती है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की इसी मानसिकता के कारण कोचिंग व्यवसाय फलफूल रहा है।

सरकार ने सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए कई विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, महाविद्यालय, विद्यालय आदि खोलने की घोषणा तो कर दी किंतु उसकी नीयत वास्तव में शिक्षा प्रदान की नहीं थी। यदि वास्तव में ऐसा होता तो पहले वे उपयुक्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करते । आज कई ऐसे 12वीं के विद्यालय हैं जहां विषयों के शिक्षक नहीं हैं । मेडिकल कॉलेजों में उन्ही शिक्षकों को हर जगह निरीक्षण के समय दिखा दिया जाता है। जो शिक्षा विभाग निजी विद्यालयों को मान्यता देने के नाम पर कई प्रकार के प्रमाण पत्र लेता है, उसी के स्वयं के विद्यालय छत ढह जाने से कई बच्चों की जान ले लेते हैं। खराब नीयत के लिए जवाबदेही की कमी भी बहुत बड़ा कारण है।

जिस गति से आजकल सरकार द्वारा निर्मित भवन, सड़क और पुल टूट रहे हैं, उससे यह तो स्पष्ट है कि तकनीक में बहुत अधिक विकास के बावजूद इंजीनियरों/अधिकारियों की खराब नीयत के कारण ऐसा हो रहा है। चूंकि हर काम में अधिकारियों/इंजीनियरों द्वारा कमीशन लिया जाता है। स्वीकृत राशि का बहुत कम हिस्सा वास्तव में काम पर खर्च होता है। अतः, पुल सड़क टूटने का कारण कमीशन की नीयत ही है। इसके विपरीत रियासत कालीन निर्माण आज भी ज्यों के त्यों खड़े हुए हैं।

सैटेलाइट से आजकल किसी भी क्षेत्र पर निगरानी संभव है। इसके बावजूद यदि वन क्षेत्र में कटाई हो रही है, नदी के बहाव में अवैध निर्माण हो रहे हैं, अवैध खनन निरंतर बढ़ रहा है, पहाड कट कर रहे हैं तो इसके लिए जिम्मेदार केवल एक ही बात को माना जा सकता है, वह यह कि संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अच्छी नीयत के साथ काम नहीं कर रहे हैं।

अधिकांश लोक सेवक, वे मंत्री ही चाहे अधिकारी, इस उद्देश्य से इस क्षेत्र में नहीं आते हैं कि उन्हें जनता के हित के साधन में माध्यम बनना है। कई बार तो लगता है कि उनकी नीयत सामान्य जनता को प्रताड़ित और परेशान करके धनोपार्जन की है। वे 'लोक सेवा' में आए ही इसलिए हैं कि वे जनता से अधिकाधिक सुविधा शुल्क वसूल कर सकें। यदि ऐसा नहीं होता तो क्यों हमारे शहरों की कच्ची बस्तियों में लोग नारकीय जीवन जीने के लिए अब भी अभिशप्त होते?

सवाल यह उठता है कि अच्छी नीयत वाले सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या धीरे-धीरे कम क्यों होती जा रही है? उत्तर स्पष्ट है – समाज में प्रतिष्ठा, सम्मान और प्रोत्साहन उन्हीं को मिल रहा है जो येन-केन-प्रकारेण अधिक संपत्ति और धन अर्जन कर लेते हैं। स्वाभाविक है, जो अच्छी नीयत से काम करते हैं वे जनता की दुआएं भले ही प्राप्त कर लें किंतु संपन्न नहीं बन सकते। युवा पीढ़ी, जब गलत मानसिकता से काम करने वाले व्यक्तियों को प्रतिष्ठित होते हुए देखती है तो वह भी वैसा ही करने के लिए प्रवृत्त हो जाती है।

हाल ही में संचालित की जा रही एम आई आर की प्रक्रिया के लिए भी कहा तो यही गया कि यह मतदाता सुचियों के शुद्धिकरण के लिए है, किंतु वास्तव में इसका छद्म उद्देश्य कुछ विशेष वर्ग के लोगों को मतदाता सुचियों से बाहर करने का ही था। चुनाव आयोग संस्था तो संवैधानिक है, किंतु उसने सत्ताधारी दल के इशारे पर ऐसा किया, यह मानना गलत नहीं होगा। साफ है इस पूरी प्रक्रिया के पीछे लिखित उद्देश्य कुछ भी हो किंतु लागू करने वालों की नीयत में तो खोत है ही।

इसी प्रकार, सरकार ने शासन में नैतिकता और शुचितता लाने के उद्देश्य से संसद में एक विधेयक, 3० दिन से अधिक जेल में रहने वाले मंत्रियों/मुख्यमंत्रियों/प्रधानमंत्रों को पद से हटाने के लिए प्रस्तुत किया, किंतु विपक्ष इसे विरोधी दलों के नेताओं को परेशान करने की नीयत से लाया गया बता रही है। वैसे भी यह पारित होना संभव नहीं लगता क्योंकि इसके लिए संसद में दो तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है।

संक्षेप में हम यही कह सकते हैं कि सुशासन तब ही संभव है जब उसे लागू करने वाले सरकारी कर्मचारियों, विशेष कर उच्च पदों पर बैठे हुए मंत्री और अधिकारियों की नीयत साफ हो । उनकी नीयत जनता का भला करने की हो, केवल अपनी स्वार्थ सिद्धि की नहीं। वर्तमान में तो सभी दल एवं अधिकांश नौकरशाह मिलकर जनता के पैसे को अपनी कमाई का माध्यम समझ कर ही काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। अच्छी नीयत वाले लोगों के हाथ में शासन और शासन सौंप बिना सुशासन की बात कौरी कल्पना ही रहेगी, चाहे कितने ही नियम क्यों न बना लिए जाएं।

–अतिथि सम्पादक, राजेन्द्र भागवत (पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)



डॉ. सुबोध अग्रवाल

थार के रेगिस्तान और दूर-दूर तक रेत के धोहरों के लिए पहचाना जाने वाला राजस्थान आज औद्योगिक निवेश की विपुल संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश हो गया है। औद्योगिक निवेश के लिए देसी-विदेशी निवेशकों के लिए राजस्थान प्रमुख डेस्टिनेशन बन गया है। राजस्थान का भौगोलिक परिदृश्य, जिसे कभी निवेश के लिए बाधा माना जाता था, आज अवसरों का पिटारा बन गया है। थार का रेगिस्तान अब केवल रेत का विस्तार नहीं, बल्कि सौर और नवीकरणीय ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बन गया है। प्रदेश हरित विकास का नया अध्याय लिख रहा है तो धरती की गर्भ में छिपी खनिज संपदा ने राजस्थान में खनन विकास की नई इबारत लिखना शुरू कर दिया है। गत दिसंबर, 24 में आयोजित राईजिंग राजस्थान इसका जीता-जागता उदाहरण है कि आरआर समिट के दौरान ना केवल देसी-विदेशी निवेशकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया अपितु समिट के दौरान 3५ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश समझौते हस्ताक्षरत किये हैं। यह

आज के बदलते राजस्थान की तस्वीर है।

राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा को चार महत्वपूर्ण आयामों में विभाजित कर आसानी से समझा जा सकता है। एक थार के रेगिस्तान से नवीन अवसर तक: सौर और पवन ऊर्जा राजस्थान को हरित ऊर्जा केंद्र बना रही है। दूसरा, बंजर भूमि से औद्योगिक विकास तक: बाड़मेर आज प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी है और जैसलमेर भारत की सीमेंट राजधानी के रूप में उभर रहा है। तीसरा, चुनौतियों से ताकत तक: कोटा के जल संसाधन ऊर्जा भंडारण और शिक्षा हब दोनों को गति दे रहे हैं। तो चौथे, खनिज संपदा से आर्थिक शक्ति तक: पोटाश, यूरैनियम, हाइड्रोकार्बन, क्रिटिकल मिनरल और अन्य खनिज प्रदेश की अर्थव्यवस्था का भविष्य तय कर रहे हैं।

इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बनने का बड़ा कारण यह है कि राजधानी दिल्ली और अन्य प्रमुख केन्द्रों से कनेक्टिविटी और यहां की कानून व्यवस्था व लोगों का व्यवहारा शांति, सद्भाव और सहजता राजस्थान की पहचान है। मानव संसाधन की सहज उपलब्धता उद्यमियों के लिए और अधिक आसान हो जाती है। कहा जाता है और कुछ हद तक सही भी है कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बार नौकरी या किसी अन्य कारण से रहने के लिए आने वाला फिर यहीं का होकर रह जाता है। राजधानी दिल्ली से सबसे निकटतम शांत और बेहतर कानून व्यवस्था वाला प्रदेश राजस्थान है। एनसीआर का विस्तार राजस्थान और इसकी सीमाओं से लगते हुए हो रहा है। एक्सप्रेस वे और नेशनल हाइवे के विस्तार से प्रदेश के किसी भी कोने तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

आज देश में नवीकृत उर्जा के उत्पादन में राजस्थान शीर्ष पर है तो अब सोलर के लिए आवश्यक उपकरण तैयार करने वाले उद्योगों को भी राजस्थान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बालोतरा के पचपदरा में तैयार हो रही हिन्दुस्तान पेट्रोलियम राजस्थान रिफाइनरी शुरू होते ही तस्वीर पूरी तरह से बदल जाएगी। यहां पर पेट्रोकेमिकल जोन विकसित किया जा रहा है। बाड़मेर जैसलमेर जिसे कभी काले पानी की सजा के रूप में देखा जाता था तेजी से विकसित क्षेत्र होते जा रहे हैं। लगभग असंभव को संभव बनाते हुए बाड़मेर के विकास को इसी से समझा जा सकता है कि आज राजस्थान में परकेपिटा आय में बाड़मेर शीर्ष स्थान पर आ गया है।

बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर से बीकानेर तक तपती धरती आज नवीकृत उर्जा खासतौर से सोलर उर्जा के उत्पादन बढ़ा रही है। नवीकृत उर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में अभी भी संभावनाओं को इसी से समझा जा सकता है कि 3५ लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों में करीब करीब ८० प्रतिषत निवेश प्रस्ताव नवीकृत उर्जा क्षेत्र के प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार रीको के माध्यम से भूमि भी उपलब्ध कराने के साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, 2०24 के तहत आकर्षक प्रोत्साहन भी दे रही है। सिंगल विण्डो सिस्टम से निवेशकों के लिए राजस्थान में उद्योगों की स्थापना आसान हो रही है। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के प्रति मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और सरकार को गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा स्वयं बड़े प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए हो रही प्रगति की समीक्षा प्रतिमाह अपने स्तर पर कर रहे

हैं। मुख्य सचिव स्तर पर 2०0 करोड़ तक के निवेश प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा प्रति सप्ताह की जा रही है तो इससे कम के निवेश प्रस्तावों को समीक्षा नियमित रूप से संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है। यह सब राजनीतिक इच्छा शक्ति से ही संभव हो पा रहा है।

योजनाबद्ध प्रयासों से प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। बाड़मेर-जैसलमेर को जहां राजस्थान में काले पानी की सजा से कम नहीं माना जाता था, आज वही बाड़मेर प्रदेश में परकेपिटा के हिसाब से शीर्ष पर आ गया है तो वो दिन दूर नहीं जब जैसलमेर सीमेंट के उत्पादन में देश की राजधानी बन जाएगा। पचपदरा में रिफाइनरी अब आ रही है पर इससे पहले ही बाड़मेर और आसपास के क्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से तेजी से विकास हुआ है। इस सबके पीछे एक बड़ा कारण तपती धरती को वरदान में बदलकर नवीकृत उर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देने और प्रदेश में खनिजों की विपुल संपदा को एक्सप्लोर करने से संभव हो पाया है।

वैसे राजस्थान में सभी क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के योजनाबद्ध प्रयास किये जा रहे हैं। कोटा में पानी की प्रचुरता के कारण नवीकृत उर्जा को संरक्षित कर उपयोग करने की विपुल संभावनाएं हो गई हैं तो शिक्षा नगरी के रूप में कोटा की अलग पहचान बन चुकी है। जैसलमेर में सीमेंट ग्रेड लाइमस्टोन के विपुल भण्डार मिलने के साथ ही कच्चे तेल और गैस के भण्डार मिलने से पूरा सिनेरियो ही बदल रहा है। बीकानेर में पोटाश के विपुल भण्डार है तो राजस्थान में यूरैनियम के साथ ही क्रिटिकल मिनरल, गारनेट आदि आदि बहुतायत में है। राजस्थान की धरा के गर्भ में अथाह और विविध प्रकार की

खनि संपदा है।

सोने-चांदी और लेड जिंक सहित कई मिनरलों में तो राजस्थान शीर्ष पर आ गया है। पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी प्रदेश बन गया है। देसी-विदेशी विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद राजस्थान बनता जा रहा है। राजस्थान के सेंड डून्स, गढ़-किले से लेकर मंदिर गलियारें पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। पर्यटन के कारण होटल व्यवसाय ने तेजी से विस्तार किया है तो जयपुर और राज्य के अन्य प्रदेशों तक सहज पहुंच के चलते आज राजस्थान मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भी तेजी से पहचान बनाता जा रहा है। हेरिटेज होटलों के साथ सभी आर्थिक वर्ग की पहुंच को होटल्स की उपलब्धता है। राजधानी दिल्ली के नजदीक होने से दिल्ली आने वाला और नहीं तो जयपुर का ही चक्कर लगा लेता है। राजस्थान के एंटीक और रत्न व्यवसाय की धमक समूची दुनिया में है। औद्योगिक निवेशोन्मुखी माहौल का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि राजस्थान में जापानी जोन अलग से विकसित है और सफलता पूर्वक औद्योगिक उत्पादन हो रहा है।

देखा जाए तो राजस्थान में प्रचुर मात्रा में संसाधन होने के साथ ही राज्य सरकार की स्पष्ट उद्योगोन्मुखी नीति, राजनीतिक इच्छाशक्ति और निवेशक-अनुकूल माहौल भी है। यही कारण है कि राजस्थान आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि का घुरी बनता जा रहा है। आने वाला समय राजस्थान का है और राजस्थान अब केवल पर्यटन ही नहीं, बल्कि ऊर्जा, खनिज, शिक्षा और उद्योगों का केंद्र भी हो गया है।

—डॉ. सुबोध अग्रवाल, (आईएएस) अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार

मंगला आरती के साथ 641वें रामदेवरा मेले का विधिवत शुभारंभ

- प्रदेश सहितज अनेक राज्यों से आये हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन कर मन्त्र मांगी
- प्रशासन के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने बाबा की समाधि पर पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

श्रद्धालुओं ने बाबा की समाधि के दर्शन कर स्वयं को धन्य माना। कई श्रद्धालु दर्शन के लिए रातभर कतार में खड़े रहे। अलसुबह मंदिर के मुख्य द्वार खुलते ही बाबा के जयकारों की गूंज से निज मंदिर परिसर उत्साह और श्रद्धा से भर उठा। मंदिर परिसर, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में नगाड़ों और लोक भजनों की मधुर ध्वनि गूंजती रही।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मि रानी, उपखंड अधिकारी लाखा राम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण सेन, विकास अधिकारी हनुमान राम, सहायक निदेशक प्रवीण प्रकाश चौहान, बाबा वंशज गदीपति भोमसिंह तंवर, सांकड़ा पंचायत समिति के प्रधान



लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि के भक्तों ने दर्शन किये।

खेतों में पानी की डिगियों में सैकड़ों मछलियों की मौत

श्रीगंगानगर, (निर्सं।) जिले के केसरीसिंहपुर करुबे के पास गांव 1६-17 एक पंचजातिया में किसानों की कृषि भूमि में बनी पानी की डिगियों में अज्ञात कारणों से भारी संख्या में मछलियां मरने लगी हैं। सोमवार सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो डिगियों की सतह पर सैकड़ों मछलियां ऊपर आकर सांस लेने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति

यह नजारा देखकर किसानों में चिंता की लहर दौड़ गई।

गांव के किसान लखविंदर सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह जब वे खेत में पहुंचे तो डिग्गी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां दिखीं। वहीं सैकड़ों मछलियां ऊपर आकर सांस लेने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति

द्वारा डिगियों में जहरीली दवा या रसायन डाला गया हो सकता है, जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। घटना की सूचना मिलने पर वेटरनरी विभाग के डॉक्टर महावीर अग्रवाल मौके पर पहुंचे और डिग्गी का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रांरीभक जांच के आधार पर किसान की आशंका को खारिज करते हुए बताया कि मछलियों की मौत का

कारण पानी में ऑक्सीजन का स्तर कम होना है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अक्सर तब उत्पन्न होती है जब गर्मी अधिक हो, पानी स्थिर हो और उसमें जैविक अपशिष्ट जमा हो जाए। इससे पानी में घुली ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियों को सांस लेने में परेशानी होती है।

डॉ. अग्रवाल ने किसानों को

सलाह दी कि वे डिगियों में चूना (चूना पत्थर) डालें, जिससे पानी का पीएच स्तर संतुलित होगा और ऑक्सीजन लेवल बढ़ेगा। इससे मछलियों को राहत मिलेगी। किसानों ने तत्काल प्रभाव से डिगियों में चूना डालना शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि यह पहली बार है जब इतनी भारी संख्या में मछलियों की मौत हुई है।

राशिकल मंगलवार 26 अगस्त, 2०२५			
			
भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत २०८२, हस्त नक्षत्र बुधवार प्रातः ६:०४ तक, साध्य योग दिन १2:04 तक, गर करण दिन १:५५ तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।			
ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।			
आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। भद्रा रात्रि २:५० से आरम्भ होगी। आज हरितालिका तीज व्रत, मन्वादि है। आज कलंक चौथ है। आज चन्द्र दर्शन निषेध है। चन्द्रास्त रात्रि ८:३६ पर होगा। आज साम श्रावणी उपाकर्म (सामवेदियों की राखी) है। आज रोट तीज, गौरी व्रत है। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:१८ से 1०:५3 तक, लाभ-अमृत 1०:५३ से २:०४ तक, शुभ ३:39 से ५:1५ तक। राहूकाल: ३:०० से 4:3० तक। सूर्योदय ६:०७, सूर्यास्त ६:५०			

	मेघ
	परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
	वृष
	व्यावसायिक कर्तव्यों के लिएदिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।
	मिथुन
	घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
	कर्क
	परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी, उचित सफलता मिलेगी।

	सिंह
	आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।
	कन्या
	मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।
	तुला
	घर-गृहस्थी के उद्यमों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।
	वृश्चिक
	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित ख़ोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

	धनु
	व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अकेले हुए कार्य शीघ्रता/सुप्रभा से बने लेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चन दूर होने लेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।
	मकर
	नवीन कार्य के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
	कुंभ
	चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियों अभी यथावत बनी रहेगी।
	मीन
	परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

शेष रही राशि की हुई गिनती



मंडफिया, (निर्स)। भगवान श्री सांबलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 22 अगस्त को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती सोमवार अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में हुई। भंडार के दूसरे चरण से 4 करोड़ 60 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पहले प्रथम चरण में 8 करोड़ 90 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए थे। इन दोनों को मिलाकर भंडार से अबतक 13 करोड़ 50 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए हैं। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, किशन लाल अहीर, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदत व मंदिर प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, विरिख सहायक कालूलाल तेली, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, बालभोग प्रभारी भेरूलाल गुर्जर, सहायक सुरक्षा प्रभारी बिहारी लाल गुर्जर, स्टोर प्रभारी मनोहर चौबीसा, दीपक तिवारी, जितेन्द्र निपाठी सहित मंदिर व बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

डूंगरपुर, (निर्स)। चौरासी थाना क्षेत्र के सांसरपुर फला कर्जेडिया में दो महीने पुराने हत्याकांड को लेकर पीडित परिवार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। युवक मणिलाल के पिता हाजा ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 12 जून की रात की है। मणिलाल अपनी बाइक के साथ घर के पास स्थित दुकान पर खड़ा था। इसी दौरान सांसरपुर निवासी संजय पुत्र हिम्मतराम अपने साथियों के साथ वहां आया। आरोप है कि संजय और उसके साथियों ने मणिलाल पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। ऍंबुलेंस में ले जाते समय मणिलाल ने संजय और उसके साथियों पर पेट्रोल डालकर आग लगाते का आरोप लगाया था। चौरासी थाने में मामला दर्ज किया गयाए लेकिन दो महीने बीतने के बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एसपी स्तर के अधिकारी से जांच करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस मामले को गंभीरता से जांच नहीं कर रही है।

दशनाम गोस्वामी समाज की बैठक

मंडफिया, (निर्स)। दशनाम गोस्वामी समाज की जिलास्तरीय बैठक जीवन गिरी जी महाराज जी की धुणी होडा का मंगरा पर आयोजित हुई। गोस्वामी समाज के जिला प्रचार मंत्री श्यामगिरी गोस्वामी भादसोडा ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता सावा मंडल के महंत श्यामपुरी गोस्वामी ने की एवं विशिष्ट अतिथि आम मेवाड़ मंडल मातृकुंडिया कमेटी के अध्यक्ष रामपुरी व हिंगलाल माता कमेटी पांडोली के अध्यक्ष रतनपुरी थे। बैठक में समाज सुधार के महत्वपूर्ण विषयों पर सभी रणपट्टी से चर्चा करके समाज हित में निर्णय लिए गए और तय किया गया कि समाज के किसी भी व्यक्ति के परिवार में कोई भी सामाजिक कार्यक्रम होने पर कपड़े दादरेा, ननिहाल, ससुराल के ही लिए जाएंगे और अन्य के नहीं लिए जाएंगे, समाज में किसी के शिवराजण (मृत्यु) होने पर भण्डारे में एक मिठाई ही बनाई जायेगी व अफिम, तम्बाकू वितरण कि रस्म नहीं होगी, किसी भी व्यक्ति के कोई भी कार्यक्रम होने पर डीजे नहीं बजाने और समाज की बहन बेटी बहु सहित आठरे बंदोली आदि प्रोताम में रोड पर नहीं नाने, कोई भी व्यक्ति समाज के किसी भी कार्यक्रम में किसी भी प्रकार का नशा करके नहीं आने, कोई भी परिवार प्रिवेटिां शूट के लिए लंडके व लडकी को नहीं भेजने, शादी में 4 तोला से अधिक जेवर नहीं चढ़ाने जैसे कई महत्वपूर्ण समाज सुधार के निर्णय लिए गए।

भीम तालाब छलका,खुशी की लहर

भीम, (निर्स)। भीम तालाब छलकने से चारर चलने लगी है जिससे क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है।पिछले दो दिनों से हो रही लगातार रिमझिम बारिश से भीम तालाब में पानी की आवक बढ़ने से चारर चलने लगी है।हड़पखंड मुख्यालय स्थित 17 फीट की भराव क्षमता वाले भीम तालाब के रविवार को लबालब होने के बाद सोमवार की सुबह इस पर चारर चलने से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। खेमराज सोनी, अशोक सिंह, अजयपाल सिंह अंबिका, नवीन आहुजा, सनेज तोमर, मनोज अहुजा ,हीरालाल गौरमात, पूर्व पार्षद विनोद कुमार भाट, विक्रमसिंह, चंद्रशेखर मीणा ,जितेंद्र सोनी, विष्णु कुमार शर्मा ,प्रवीण सिंह विपिन सिंह, माणक दलाल ,हरीश आहुजा ,रेशमा आहुजा ,कौशल निपाठी, मोहनसिंह, दीक्षा चौहान ,भगवानदास भाटिया, आदि कस्बेवासीयों एवं आसपास के ठाम्नीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि लंबे इंतजार के बाद क्षेत्र में हुई अच्छी बारिश होने से 17 फीट की भराव क्षमता का भीम का मुख्य तालाब लबालब हो गया और सोमवार को छलकने के साथ ही आमजन में भी हर्ष व्याप्त है। पेयजल, कृषि, चरु तथा अन्य प्रयोजन के लिए लोग बारिश पर आश्रित रहते हैं। इस बीच कस्बे में निरंतर रिमझिम फुहारों के साथ झमाझम बारिश का दौर रुक-रुक कर जारी रहा।

नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया

भीम, (निर्स)।पंचायत समिति कार्यालय परिसर में सोमवार को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत प्रधान बिरमसिंह चौहान एवं विकास अधिकारी कृष्ण मुनारी छालिया ने आमजन को जागरूकता संदेश देते हुए नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के दौरान सहायक प्रशासनिक अधिकारी नारायणल साल्वी एसबीएम ब्लॉक समन्वयक किशन लाल भाटी कुशाल सिंह लोकेश प्रभावत विजय सिंह अंबालाल प्रहलाद चनिया पूनम सिंह आदि सहित आमजन को संबोधित करते हुए विकास अधिकारी कृष्ण मुरारी छालिया ने कहा कि आज का युवा रा्ट की शक्ति है, युवाओं का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। युवाओं को नशे से दूर रहने और अपने क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

कानून व्यवस्था की समीक्षा की

डूंगरपुर, (निर्स)। राजस्थान पुलिस के मुखिया डीजीपी राजीव कुमार शर्मा सोमवार को डूंगरपुर पहुंचे। पुलिस लाइन में बैठ और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत हुआ। इसके बाद उदयपुर रेंज के आईजी, एसपी, एसपीओ और डीएसपी के साथ अपराधों और कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा हुई। उदयपुर रेंज आईजी गौरव श्रीवास्तव भी उनके साथ में थे। पुलिस महानिदेशक राजस्थान राजीव कुमार के डूंगरपुर पुलिस लाइन पहुंचने पर एसपी मनीष कुमारए एसपी अशोक कुमार ने तुल्यदाता देकर स्वागत किया। इसके बाद पुलिस बैड के साथ ही गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। स्वागत के बाद डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस लाइन सभागार में पहुंचे। जहां उदयपुर रेंज के आईजी गौरव श्रीवास्तव के साथ 7 जिलों के एसपीए। एसपीओ, डीएसपी और अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक शुरू की। आज दिन भर चलने वाली बैठक में डीजीपी राजीव कुमार उदयपुर रेंज के जिले डूंगरपुर, उदयपुर, चित्तौड़, राजसमंद, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और सलूबाड़ जिले की कानून व्यवस्था अपराधों और लॉवित प्रकरणों की समीक्षा करेगे। डीजीपी राजीव कुमार रात्रि विश्राम डूंगरपुर में करेंगे।

फरार इनामी वारंटी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सूरजपोल थाना पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में पांच वर्ष से फरार इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निदेश पर चेला आ रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जमश आझा, पुलिस उपाधीक्षक छानपुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने धोखाधड़ी के मामले में वर्ष 2०21 से फरार 1० हजार रुपये के अनामी स्थाई वारंटी बदमाश नरेश पुत्र नामदेव उर्फ रामदेव निवासी धोटी रंगारी थाना लोधी खेड़ा छिंदवाड़ा पहुंची एमपी को छिंदवाड़ा से गिरफ्तार किया। पीडित देवेन्द्र सिंह निवासी जयपुर ने राजेन्द्र महितो निवासी बोकारों स्टील सिटी झारखण्ड व निकेश पाचपुते निवासी छिंदवाड़ा एमपी ने अपने साक्षियों के साथ मिल कर प्राप्ति व उसके मिलने वालों से वन विभाग एवं एएससीआई में नौकरी लगवाने का झंसा देकर फर्जी नियुक्ति पत्र देकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के संबंध में प्रकरण दर्ज करवाया था।

बादल महल और बरसाती नालों का किया निरीक्षण

डूंगरपुर, (निर्स)। सभापति ने शहर के सभी रैन बसेरा की सुविधाओं का जायजा लिया। सभापति अमृत कलासुआ, पार्षद अशोक चौबीसा, डायालाल पाटीदार, जितेन्द्र भौई ने आज शहर के जिला अस्पताल के सामने स्थित रैन बसेरा परिसर में पहुंचे। जहां पर कार्यरत कर्मचारी से बिस्तर,बिजली व्यवस्था और पेयजल के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मानसून के सीजन में कोई भी शहरवासी पहुंचे तो उसे नि:शुल्क ठहराया जाए। उन्होंने रैन बसेरा हॉल, सुविधाघर का निरीक्षण कर साफ –सफाई के निर्देश दिए। इसके बाद राजपुर घाटी स्थित रैन बसेरा का निरीक्षण किया। जहां पर मौजूद

■ जर्जर मकानों का निरीक्षण कर उन्हें सुरक्षित रैन बसेरा में जाने की अपील

सुपरवाइजर से साफ –सफाई बिस्तर सेट और बिजली संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में पूछताछ की।

उन्होंने कहा की मानसून के सीजन में कोई भी व्यक्ति बारिश में भीगने से अच्छा है रैन बसेरा में निशुल्क आश्रय ले सकता है। उन्होंने शाम को मच्छरों से बचाव के लिए अगरबत्ती जलाने के भी निर्देश दिए। इसके बाद राजपुर कच्ची बस्ती का निरीक्षण किया। जहां पर पार्षद नरेश यादव के साथ गरीब क्षेत्र के लोगों के घर सभापति अमृत कलासुआ पहुंचे। उन्होंने देवा रूपसी डामोर से निवेदन किया कि नगर परिषद की ओर से जर्जर

सर्पदंश से किसान की मौत

उदयपुर, (कासं)।।खेत पर काम करते समय सांप के काटने से किसान की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सांय नाई थाना क्षेत्र बछार नाल फला गांव निवासी काउवा पुत्र हमेरा गमेती खेत पर काम कर रहा था। इस दौरान सांप के काटने से चिल्लाने पर दौड़ कर आई पत्नी लसूड़ी व पुत्रबधू दुर्गा उसे घर ले गए। जहां से तबीयत खराब होने पर एमबी चिकित्सालय ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। इसी तरह गत दिनों नाई थाना क्षेत्र चौकडिया गांव रोड़ पर बाइक फिसलने से घायल नीमच माता देवाली निवासी हेमेन्द्र (24) गमेती पुत्र सुरेशगमेती की एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर दिया ज्ञापन

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाली गोगुंदा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बडगांव की मतदाता सूची में गडबडी को लेकर सोमवार को देहात जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कलेक्ट्रेट को ज्ञापन दिया गया।

उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित ने बताया कि उदयपुर देहात जिला कांग्रेस के अंतर्गत आने वाली गोगुंदा विधानसभा क्षेत्र 149 की ग्राम पंचायत बडगांव में जिला निर्वाचन द्वारा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 करने के पश्चात 7 जनवरी को जारी मतदाता सूची में विधानसभा क्षेत्र गोगुंदा 149 के भाग



पिछड़ी बस्तियों व नालों का निरीक्षण करते सभापति व अन्य।

मकानों में रहने वाले लोगों के लिए रैन बसेरा की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आप रोज अपने परिवार के साथ रात के समय रैन बसेरा में नि:शुल्क आश्रय ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि आपके भोजन के लिए भी नगर परिषद की ओर से संचालित अन्नपूर्णा रसोई गृह में आठ रुपए में भरपेट भोजन भी उपलब्ध है। सभापति ने लोगों से निवेदन किया कि जर्जर और खस्ताहाल केलुपोश मकानों में रहने से अच्छा रैन बसेरा में आश्रय ले सकते हैं।

उन्होंने अब डिनोटिफिकेशन की जानकारी देते हुए मकान का पट्टा लेने

की अपील की। जिससे उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना में पक्का मकान बनाने का लाभ मिल सकता है। इसके बाद शहर के विभिन्न कॉलोनी, मोहल्ले और गलियों का निरीक्षण किया।

सभापति अमृत कलासुआ ने सुबह बारिश का दौर धमने के साथ ही शहरी क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने बांसडवाड़ा क्षेत्र से निकलने वाले बरसाती नाले, पुराने शहर के भौईवाड़ा नाले, महारावल स्कूल के पीछे से गुजर रहे नाले, परशुराम चौक से गुजरने वाले नाले, ब्रह्म स्थल कॉलोनी से गुजरने वाले सभी नालों की पुनरू निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

निलंबन के बाद आरोप पत्र मिला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर बीकानेर राजस्थान शिक्षा विभाग के शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने उदयपुर में कार्यरत शिक्षा विभाग प्रधानाचार्य पद पर रहते हुए अयोग्यताएं एवं अनियमित के चलते रंजना मिश्रा को राज्य सेवा से निलंबित कर दिया है निलंबन के साथ ही आठ पेज का आरोप पत्र मिला है। जिसमें कई अयोग्यताएं एवं अनियमिताएं की गई हैं।

प्रधानाचार्य पद पर 2015-16 से पदोन्नति के बाद से ही यह विवादों में रही है। एवं अधीनस्थ कर्मिकों के साथ भी तथा समकक्ष अधिकारियों के साथ भी दुर्व्यवहार करती थी तथा महिला होने के नाते पुरुष अधिकारियों एवं समकक्ष तथा अधीनस्थ अधिकारियों के विरुद्ध अनर्गल आरोप प्रत्यारोप लगाती रही है एवं झूठी फिर प्रथम सूचना रिपोर्ट एवं पुलिस एवं महिला आयोग में में झूठे

प्रधानाचार्य पद पर 2015-16 से पदोन्नति के बाद से ही यह विवादों में रही है। एवं अधीनस्थ कर्मिकों के साथ भी दुर्व्यवहार करती थी तथा महिला होने के नाते पुरुष अधिकारियों एवं समकक्ष तथा अधीनस्थ अधिकारियों के विरुद्ध अनर्गल आरोप प्रत्यारोप लगाती रही है एवं झूठी फिर प्रथम सूचना रिपोर्ट एवं पुलिस एवं महिला आयोग में में झूठे

विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 265 से 272 तक के बूथ पर इसी तरह की गडबडियों देखने को मिल रही है। इन्हीं गडबडियों को लेकर उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी, प्रदेश कांग्रेस महासचिव लाल सिंह झाला, पूर्व मंत्री डॉ मांगी लाल गरसिया के नेतृत्व में उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कलेक्ट्रेट को ज्ञापन दिया गया।ज्ञापन के बाद उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी ने मीडिया को अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि स्वस्थ एवं निष्पक्ष लोकतंत्र को मजबूत बनाने में साफ.सुधरी मतदाता सूची का सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है।

प्रयासों पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने छात्रों को जीवन की सफलता के लिए मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वस्थता के लिए कार्य करने के बात कही। उन्होंने अभिभावकों से भी विद्यार्थियों के विकास पर व्यवहारिक तथ्यों को शामिल करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि कुल प्रमुख एवं विद्याधिपति बी एल गुर्जर ने कहा कि विपरीक परिस्थिति में संस्थान की स्थापना आजादी के 1० वर्ष पूर्व 1937 में हुई। उस समय पढना - पढाना अघराध माना जाता था। उस संस्थापक

जनुभाई ने वंचित वर्ग को शिक्षा के माध्यम से देश की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य रात्रिकालीन पाठशाला शुरू की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण का जिम्मा शिक्षकों पर है। शिक्षकों के कार्यों का प्रभाव दूर तक जाता है अतः ऐसे शिक्षक जो लोक द्वारा मान्य एवं स्वीकार्य शिक्षक तैयार करने का कार्य संस्था की और से किया जा रहा है। संस्थान शिक्षा के सामाजिक और सामुदायिक दायित्वों को पूर्णतः करने हेतु समर्पित है। प्रारंभ में प्राचार्य प्रो.

उन्होंने बताया कि शहर के सभी प्रमुख नालों की मई माह में सफाई हुई थी। इसी के कारण शहर में अभी तक कहीं भी जलभराव की शिकायत नहीं आई है। उन्होंने टीम को पुनः इन नालों का निरीक्षण कर बरसाती मलबा साफ करने के निर्देश दिए। साथ ही शहर की सड़कों पर पेड़ों की टहनी, खरपतवार, पुराने फलेक्स, टीन शेड के टुकड़े और साइन बोर्ड जो झूल रहे हैं। उन्हें हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नगर परिषद के विद्युत शाखा की टीम को खुले वायर की टेपरोल कर सुरक्षित करतो। बंद पड़ी रोड लाइन को पुनः दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

बस ने बच्चे को कुचला

उदयपुर, (कासं)। शहर के समीप भुवाणा चौराहे पर निजी बस ने राह चलते बच्चे को कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर में तरपाल सायरा निवासी देवेन्द्रसिंह पुत्र कालुसिंह अपने भाई धमेन्द्र के साथ भुवाणा चौराहा पर स्थित राम रसोड़ पर दर्शन करने आया था। जहां राह चलते समय भुवाणा से अम्बेरी जा रही निजी बस ने उसे कूचल दिया। इसको देख गंभीर घायल बच्चे को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर हेडकॉस्टेबल भारतसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रयासों पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने छात्रों को जीवन की सफलता के लिए मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वस्थता के लिए कार्य करने के बात कही। उन्होंने अभिभावकों से भी विद्यार्थियों के विकास पर व्यवहारिक तथ्यों को शामिल करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि कुल प्रमुख एवं विद्याधिपति बी एल गुर्जर ने कहा कि विपरीक परिस्थिति में संस्थान की स्थापना आजादी के 1० वर्ष पूर्व 1937 में हुई। उस समय पढना - पढाना अघराध माना जाता था। उस संस्थापक

जनुभाई ने वंचित वर्ग को शिक्षा के माध्यम से देश की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य रात्रिकालीन पाठशाला शुरू की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण का जिम्मा शिक्षकों पर है। शिक्षकों के कार्यों का प्रभाव दूर तक जाता है अतः ऐसे शिक्षक जो लोक द्वारा मान्य एवं स्वीकार्य शिक्षक तैयार करने का कार्य संस्था की और से किया जा रहा है। संस्थान शिक्षा के सामाजिक और सामुदायिक दायित्वों को पूर्णतः करने हेतु समर्पित है। प्रारंभ में प्राचार्य प्रो.

सार-समाचार

एमबीए बैच को दी विदाई



उदयपुर, (कासं)। एमएलएसयू के प्रबंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस) ने 23 अगस्त को अपने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव यूफोरिया 2025 के साथ निवर्तमान एमबीए बैच को भावभीनी विदाई दी। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक जीवंतता के साथ भावनात्मक क्षणों का सम्मिश्रण था, जिसने छात्रों और संकाय सदस्यों, दोनों के लिए यादगार यादें बनाई।कार्यक्रम में एमएलएसयू की कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा ने निवर्तमान छात्रों को प्रोत्साहन और मार्गदर्शन प्रदान किया। एफएमएस की निदेशक एवं अध्यक्ष प्रो. मीरा माथुर, पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. हनुमान प्रसाद और विशिष्ट अतिथि डॉ. गरिमा मिश्रा, डॉ. नीतू प्रसाद और डॉ. अल्पना सिंह ने भी अपने बहुमूल्य विचारों और आशीर्वाद से छात्रों को प्रेरित किया। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। गायन में ऋचा द्विवेदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि वैदेही ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य में सुहानी चौधरी ने प्रथम पुरस्कार जीता और दिव्यांशी चित्तौड़ा दूसरे स्थान पर रही। समूह नृत्य वर्ग में रोहन, निखिल, ईशान, चिराग और सुजल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हीना श्रीमाली और यश मंडावत की जोड़ी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। एफएमएस की यादें विषय पर रील-मेकिंग में भावना तंत्र ने प्रथम पुरस्कार और प्रियांशु शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। शाम के खिताब, मिस यूफोरिया और मिस्टर यूफोरिया, क्रमशः ओजस्विनी सिंह चौहान और अभिषेक गंगावत को दिए गए।

डॉ. ऋषि कुमार शर्मा ने दिया व्याख्यान

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मैडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के सीनियर प्रोफेसर, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के डॉ. ऋषि कुमार शर्मा ने कोलकाता में आयोजित कांफ्रेंस में डॉ. शर्मा ने गंभीर अस्थमा में दवाओं की भूमिका तथा प्ल्यूटल इंफेक्शन और एम्फायमा के आधुनिक उपचार पर व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान से यह संदेश गया कि नई दवाइयों और आधुनिक इलाज को तकनीकें गंभीर अस्थमा के रोगियों को अधिक लाभ दे सकती हैं तथा छाती के संक्रमणों में समय पर उपचार से मरीजों की जान बचाई जा सकती है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने भाग लिया, जहाँ डॉ. शर्मा ने उदयपुर का नाम गौरवान्वित किया।

हमला करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। कुराबड़ थाना पुलिस ने युवक का अपहरण कर प्राणघातक हमला करने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 5 अप्रैल 25 को गजेन्द्र पुत्र रूपलाल निवासी गणकोतलिया बम्बोरा कुराबड़ ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उन्हने बताया कि मेरे दोस्त की कार लेकर उमरड़ा से भटेवर होता हुआ अडीन्दा, चोटिया माराजी मंदिर रोड पर पहुँचा। जहाँ दो कारों में सवार 1०-12 जनों ने मेरी कार को रोक अपहरण कर काकोरोली ले गए जहाँ जानलेवा भारपीट कर उधरदा दुध डेयरी के सामने रोड़ पर छोड़ कर फरार हो गए। आरोपियों मेसे दो कारें पुत्र अमरा पटेल निवासी करालकी तथा सुरेश पुत्र प्रेमचंद पटेल निवासी नीमच सराड़ा सलून्वर को पहचाने की जानकारी दी। शराब से भरी शंकरलाल की गाड़ी आबकारी विभाग ने पकड़ी थी। मुझ पर जिसकी मुखबिरी करने की शंका के चलते अपहरण व हमला करने की जानकारी दी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,गोपाल स्वर्ूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में कुराबड़ थानाधिकारी प्रभूलाल मय टीम ने मामले के मुख्य आरोपी शंकरलाल पुत्र अमराजी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लठ, बरामद किया। आरोपी के खिलाफ पूर्व में चार अपराधिक प्रकरण दर्ज है। इससे पूर्व सुरेश पुत्र प्रेमचंद निवासी नीमच को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कार बरामद की जा चुकी है।

कॉम्प्लेक्स से गिरने पर श्रमिक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित निर्माणाधीन काम्प्लेक्स से निचे गिरने पर श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबेरे सुखेर थाना क्षेत्र नगरनर काम्प्लैक्स स्थित संस्कार पुर निर्माणाधीन काम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल से नीचे गिरने पर गोड़च खमनोर राजसमन्द निवासी श्यामलाल (25) पुत्र तुलसीराम गमेती की मौत हो गई। श्यामलाल ठेकेदार भेरूलाल के पास काम करता था। जहां सवरे काम करने के दौरान संतुलन बिडगने पर वह नीचे गिर पड़ा था। सूचना मिलने पर एएसआई राजेन्द्र सिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

उदयपुर, ।विकसित भारत की परिकल्पना में जनजातीय वर्ग कोसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभ किए गए धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आदि कर्मयोगी राज्य स्तरीय कार्यशाला सोमवार से होटल ताज अरावली में प्रारंभ हुई। कार्यशाला का शुभारंभ जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के संयुक्त सचिव अमित निर्मल के आतिथ्य में हुआ। टीएडी आयुक्त कन्हैयालाल स्वामी, अतिरिक्त आयुक्त ओपी जैन तथा कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अनुराग भटनागर भी बतौर अतिथि मंचासीन रहे।

संपर्क पोर्टल की समीक्षा बैठक ली

राजसमंद, (निर्स)। जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सोमवार को संपर्क पोर्टल की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने वीसी में अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में एडीएम नरेश बुनकर, सीईओ वृन्मोहन बैक्वा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी वीसी कक्ष एवं लाइव लिंक से जुडे तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी कनेक्ट हुए। इस दौरान उन्होंने संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की बारीकी से समीक्षा की और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने कहा कि विभागवार डिस्ोजल टाइम को पाक्षिक रूप से तुलना करें और जिन अधिकारियों का निस्तारण समय कम हो रहा है, वे आगे से कार्यशैली त्वरित करें। कलक्टर ने लेवल प्रथम, द्वितीय और तृतीय पर पेंडिंग शिकायतों की समीक्षा के दौरान उच्च स्तर पर लंबित शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से इंटीमेट करने के निर्देश दिए।

शोभायात्रा निकाली

कपासन, (निर्स)। लोक देवता बाबा रामदेव जी के जन्मदिवस पर नगर में विभिन्न समाजों की ओर से शोभायात्राओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रैपर समाज ने बीती रात भजन संध्या का आयोजन किया। वहीं, आज सुबह धार्मिक अनुष्ठानों के साथ बाबा रामदेव की पूजा-अर्चना की गई। दोपहर में रैपर मोहल्ले से पहली शोभायात्रा निकली, जो धमना मार, उदयपुर ओर चुंगी नाका, पांच बत्ती चौहारा और बस स्टैंड से होते हुए नगर के मुख्य बाजार मार्गों से गुजरी। स्टेशन मार्ग स्थित राधा कृष्ण मंदिर और धमना मार्ग पर स्थित राम रसोड़े में कार्यक्रम का समापन भजन संध्या व धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ। इसके बाद पुरविषा मोहल्ले से दूसरी शोभायात्रा निकली, जो पुराना बस स्टैंड और पांच बत्ती चौहारे से होकर मुख्य मार्गों से गुजरी।

आम सूचना
मैसर्स आसान इन्वेस्टमेंट्स कार्यालय 7०3 अरबाना, हाथीपोल मेन रोड, हाथीपोल, उदयपुर भागीदारी फर्म पंजीजन संख्या REF/UDP/2025/ 26228 है। वर्तमान में फर्म के साझेदार निम्न हैं - श्री तार चन्द पुर्विया पुत्र श्री रमेश चन्द पुर्विया निवासी धूर, उदयपुर, 313०11 (राज.) - श्री कमलेश जैन पुत्र श्री शांतीलाल जैन निवासी 185 पुंजी निवास, मेन रोड, सविना, सविना (ग्रामीण), उदयपुर, 313०02 (राज.) - मैसर्स दीपक कुमार परीहार एच.यु.एफ. जरीये कर्ता श्री दीपक कुमार परीहार निवासी 503-5०4, मिराज रेसवत, भूखण्ड संख्या 18, नगरउ काम्प्लेक्स, भूषाणा, उदयपुर, 313००4 (राज.) उक्त साझेदारी फर्म में दिनांक 05/08/2०25 को मैसर्स नेक्स्टेप ऐडवॉर्ड्स एल.एल.पी. जरीये भागीदार श्री प्रमोद सिंह चौहान कार्यालय 5०3, कल्या विला, भूषाणा, उदयपुर, 3१३०११ (राज.) उक्त साझेदारी फर्म को नये साझेदार के रूप में सन्मिलित किया है तथा दिनांक 05/०8/2०25 को मैसर्स दीपक कुमार परीहार एच.यु.एफ. जरीये कर्ता श्री दीपक कुमार परीहार निवासी 5०3-5०4, मिराज रेसवत, भूखण्ड संख्या 18, नगरउ काम्प्लेक्स, भूषाणा, उदयपुर, 313००4 (राज.) उक्त साझेदारी फर्म से सम्बन्धित हो गए हैं। आम सूचनायें प्रस्तुत हैं। अतः इस सम्बन्ध में किसी भी आमजन को कोई आपत्ति है तो प्रकरण के सातदिवस में रजिस्ट्रार को भाई फारस विला उद्योग केन्द्र जयपुर/उदयपुर में अपनी आपत्ति दर्ज कर सकते हैं, उसके बाद प्रकरण में कार्य निष्पत्ति मान्य नहीं होगी।

— साझेदार
मैसर्स आसान इन्वेस्टमेंट्स उदयपुर
मो. 8००55०3943

जालोर में मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर, चांदना गांव टापू बना

जवाई बांध में 47.60 फीट पानी की आवक हुई, पानी तेज गति बहने से चांदना गांव पानी से घिरा

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में मानसून की सक्रियता के चलते रविवार रात्रि को मूसलाधार बारिश के चलते नदी नाले उफान पर नजर आये। वहीं कई जगह नदियों व नालों में पानी की आवक तेज होने से रास्ते भी अवरुद्ध हो गये। जालोर शहर के कई कॉलोनियों में पानी भर जाने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जवाई बांध में 47 .60 फीट पानी को आवक हुई। शाम करीब आठ बजे जवाई नदी जालोर के सांकरना पुलिसा से नीचे गुजर रही नदी को देखने लोगों की भीड़ नजर आई। वहीं सुमेरपुर में जवाई नदी के तेज बहाव मे एक जीप बह गई। रपट पर मौजूद लोगों व पुलिस कर्मियों ने काफी मशक्कत से जीप में सवार लोगों को बचाया।

जालोर में रविवार रात्रि बारिश का दौर शुरु हुआ जो सोमवार अल सुबह करीब छह बजे तक मूसलाधार बारिश होने से चारो ओर पानी ही पानी नजर आने लगा है। जालोर के निकट चांदना गांव में पानी तेज गति से बहने से गांव टापू बन गया। वहीं जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते चांदना गांव चारों ओर से पानी से घिर गया है। गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। इसके अलावा पंचानवा जवाई नदी में पानी की आवक तेज गति होने से मार्ग

■ सुमेरपुर में जवाई नदी के तेज बहाव मे एक जीप बह गई। रपट पर मौजूद लोगों व पुलिस कर्मियों ने काफी मशक्कत से जीप में सवार लोगों को बचाया

अवरुद्ध हो गये। वहीं जालोर के निकट आकोली नदी, खारी, सुकडी नदी सहित कई नदी नालों में तेज बारिश के चलते पानी वेग के साथ बहने से नदी के किनारे दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई। भेटाला, नबी, सहित कई गांवों के नालों में भी पानी की आवक देखी गई। वहीं वणधर, बांडी सिणधरा सहित जिले के समस्त बांधों में भी लगातार बारिश के चलते जगह-जगह पानी भर जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जालोर की जीवनेरेखा कही जाने वाली जवाई नदी में पानी की आवक नजर आई। जालोर शहर के सुन्देलाब तालाब के पीछे स्थित कॉलोनियां जलमग्न हो गईं।

जालोर में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते नगरपरिषद व

पीडब्ल्यूडी के ठेकेदारों की पोल खोल कर रख दी है। तेज बारिश के चलते तिलकद्वार, सूरजपोल, लाल पोल से पानी पूरे वेग के साथ बहता नजर आया। तेज बारिश के चलते खेत खलिहानों में पानी भर जाने से चहूँओर पानी ही पानी नजर आने लगा है।

बारिश से पहाड़ दरका

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। दो दिन में हुई झमाझम बरसात से कई जगह जलभराव की स्थिति हो गई तो खेतों में बाजरे की फसल पसर गई। वहीं दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर सेवड़ माता मंदिर के पास का पहाड़ दरक गया, जिससे पत्थर सड़क पर आकर जमा हो गए व यातायात बाधित हो गया। गनीमत रही कि पत्थरों की चपेट में कोई वाहन नहीं आया।

जानकारी के अनुसार रविवार रात्रि को क्षेत्र में हुई भारी बारिश से गत देर रात्रि को दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर सेवड़ माता मंदिर के पास का पहाड़ दरक गया और पहाड़ से पत्थर खुदक कर हाइवे को सर्विलेन पर आ गिरा। गनीमत रही कि पत्थरों की चपेट में कोई वाहन नहीं आया। सुबह मौके पर हाइवे पेटीलिंग व एनएचएआई के कर्मचारी पहुंचे और पत्थरों को सड़क से हटवाया। वहीं भारी पत्थरों को क्रेन



जालोर के निकट आकोली नदी में पानी आने से नदी के दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गईं।

के द्वारा सड़क से हटवाया गया। क्षेत्र के मानपुरा माचेड़ी, चंदवाजी, रुण्डल, बिलौची सहित कस्बा गांवों

के कई खेतों में बरसात से बाजरे की फसल को नुकसान हुआ है। खड़ी फसल खेतों में पसर गई है।

बरसात से गोगुंदा में केलूपोश मकान गिरा, परिवार को बचाया

■ उदयपुर जिले बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त, कई जगह मार्ग बाधित

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था, जिसके चलते जिला कलेक्टर ने सोमवार को स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी थी। बीती रात और सोमवार सुबह उदयपुर जिले के कई भागों में मध्यम से तेज बारिश होने से कई जगह नदी-नालों में बहाव तेज हो गया है। पीछोल्ला झील के कैचमेंट में स्थित 60 फीट पूर्ण भराव स्तर वाला आकोटड़ा बांध ओवरफ्लो हो गया। इससे अब मानसी वाकल बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा। गोगुंदा उपखंड क्षेत्र में बारिश का दौर जारी है। यहां वीरपुरा के आदुजी का बास गांव में भरभराकर केलूपोश मकान गिर गया। मकान गिरने के समय रतन सिंह उनकी पत्नी व तीनों बच्चे मकान के अंदर थे। शोर मचने पर ग्रामीणों ने उनकी पत्नी व बच्चों को बाहर निकाला। गनीमत रही किसी को ज्यादा चोट नहीं आई। मकान में रखा घरेलू सामान, कपड़े, बिस्तर व अनाज मलबे में ढेर

हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर सरपंच कालू लाल गमेती, उप सरपंच निर्भयसिंह मौके पर पहुंचे। सरपंच ने पटवारी व सचिव को घटना की सूचना देकर उचित मुआवजा देने की मांग की। वहीं जल संसाधन विभाग ने उदयपुर आकोटड़ा बांध के भी गेट खोल दिए हैं। उसके गेट 2.5 सेंटीमीटर खोले हैं। वहां से पानी सीधे कांडियात, सीसारमा होकर उदयपुर आ रहा है। मदार के दोनों तालाबों पर चादर चलने से मदार नहर से आ रहे पानी से 13 फीट पूर्ण भराव स्तर वाला फतहसागर अब महज करीब 10 इंच और खाली है। आवक को देखते हुए जल्द ही फतहसागर का झरना देखने को मिल सकता है। सीसारमा से आवक बढ़ने पर स्वच्छसागर के चारों गेट खोलने के बावजूद इस पर चादर चलने का क्रम जारी है। उदयपुर में थूर की पाल पर चादर चल रही है और पिछोल्ला झील में

पानी की आवक बढ़ने के कारण स्वच्छसागर झील के चारों गेट रविवार को खोले गए हैं, ताकि पानी उदयसागर झील में जा सके। उदयसागर के डूब क्षेत्र में पानी बढ़े उससे पहले ही रात को दो गेट खोल रखे हैं। करीब 3.3 फीट के गेट वहां खोल रखे हैं। झाड़ोल क्षेत्र में कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होने से वहां कई नदियां उफान पर हैं। उदयपुर जिले के खरवाड़ा-झाड़ोल मार्ग पर सोम नदी उफान पर है और नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। खरवाड़ा तहसील के हिंका ग्राम पंचायत का अकोट गांव में बारिश से तीन घर और दुधनो डूब गईं। मेवाड़ भील कोर परेड ग्राउंड के सामने पुलिया पर पानी के तेज बहाव के कारण पुलिया बह गई है। जवास-झुंधरी गांव जाने वाला मार्ग भी पूरी तरह से बाधित हो गया है। जिले के ओगणा बांध में अच्छी मात्रा में पानी की आवक हुई है

जिससे 42 फीट क्षमता वाले बांध का जलस्तर 3.5 फीट तक पहुंच गया है। ओगणा का मोहम्मद फलासिया बांध और नागमाला तालाब छलक गए हैं और मोहम्मद फलासिया नाला उफान पर चल रहा है। फलासिया सीएचसी में डॉक्टर के क्वार्टर का ओपन हो गई। पोलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर पहले से पांच केस दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार 16 जनवरी 2024 को नवदीप सिंह निवासी अक्कावाली ने चूनावड़ थाने में रिपोर्ट दी थी कि वह और बलकरण सिंह शाम को श्रीगंगानगर से घर लौट रहे थे। रास्ते में एक कार रोड पर खड़ी कर रास्ता रोका गया। कार के आगे लुखवीर सिंह और उसके 6 साथी खड़े थे। उन्होंने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जान बचाने के लिए नवदीप और बलकरण गाड़ी में छिप गए, लेकिन हमलावरों ने आगे और पीछे से तलवार और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इसी दौरान पीछे से एक वाहन की लाइट पड़ने पर आरोपी फरार हो गए। इस

15 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

■ फायरिंग मामलों में बांधित था, हत्या समेत छह संगीन केसों में नामजद है आरोपी

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 हजार का इनामी बदमाश अंशुल नंदीवाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर नेतेवाला बायपास पर टेंट की दुकान में फायरिंग कर एक व्यक्ति की हत्या करने और चूनावड़ क्षेत्र में गाड़ी में तोड़फोड़ कर फायरिंग करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर पहले से पांच केस दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार 16 जनवरी 2024 को नवदीप सिंह निवासी अक्कावाली ने चूनावड़ थाने में रिपोर्ट दी थी कि वह और बलकरण सिंह शाम को श्रीगंगानगर से घर लौट रहे थे। रास्ते में एक कार रोड पर खड़ी कर रास्ता रोका गया। कार के आगे लुखवीर सिंह और उसके 6 साथी खड़े थे। उन्होंने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जान बचाने के लिए नवदीप और बलकरण गाड़ी में छिप गए, लेकिन हमलावरों ने आगे और पीछे से तलवार और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इसी दौरान पीछे से एक वाहन की लाइट पड़ने पर आरोपी फरार हो गए। इस

मामले में चूनावड़ थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले में अंशुल नंदीवाल मुख्य आरोपी के रूप में सामने आया, जो वारदात के बाद से फरार था। अंशुल नंदीवाल पर एक अन्य मामले में भी गंभीर आरोप हैं। उसने अपने साथियों के साथ नेतेवाला बायपास पर स्थित एक टेंट की दुकान में फायरिंग कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इस मामले में सदर थाना श्रीगंगानगर में मुकदमा दर्ज है। इन दोनों मामलों में फरार चल रहे अंशुल नंदीवाल की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। आरोपी को चूनावड़ थाने की पुलिस टीम ने थानाधिकारी मलकीयत सिंह के निर्देशन में हेड कॉन्टेन्बल कंवरपाल सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से पकड़ा। आरोपी से पूछताछ जारी है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता

सा. नि. वि. खण्ड नाथद्वारा जिला राजसमन्द राजस्थान

क्रमांक : 25

दिनांक : 13.08.2025

निविदा सूचना संख्या 08/2025-26

NIB: PWD202526A2699

पुलिया मरम्मत व कंस्ट्रेंसी कार्य हेतु ईन्चुक संवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के समन्वय में अन्य विवरण उपान वेबसाईट (http://www.eproc.rajjasthan.gov.in और http://www.sppp.rajjasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपान की कुल अनुमानित राशि 332.86 लाख रुपया है।

UBN No.- 1. PWD2526WSOB09990, 2. PWD2526WSOB09991, 3. PWD2526WSOB09992 4. PWD2526WSOB09993, 5. PWD2526WSOB09994

(भानु प्रकाश माथुर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा

DIPR/C/12098/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक: 1566-1574

दिनांक: 14/08/2025

ई-निविदा सूचना संख्या: 05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सड़क मरम्मत कार्यों के लिए उपायुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अग्रिकृत संगणनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि से पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष थे, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्चरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajjasthan.gov.in एवं www.sppp.rajjasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। ईन्चुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajjasthan.gov.in एवं www.sppp.rajjasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

UBN No. 1. PWD2526WSRC09725, 2. PWD2526WSRC09726

(के. के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/11969/2025

EXECUTIVE ENGINEER PWD DN-DAUSA

File No. 3032-37

Date 12/08/25

Notice Inviting Bid No-14/2025-26

Bids for Remaining/Construction of Building work under PWD Division Dausa District Dausa of Nit No. 14 Year 2025-26 of Procurement are invited from interested bidders upto 11.00 AM (time) 29-08-2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (<http://www.eproc.rajjasthan.gov.in>, "<http://sppp.rajjasthan.gov.in/> of the state; and "<http://www.pwr.rajjasthan.gov.in/>" departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 268.15 Lacs

1. UBN No. PWD2526WSOB 9808
2. UBN No. PWD2526WSOB09810
3. UBN No. PWD2526WSOB 09812
4. UBN No. PWD2526WSOB09815
5. UBN No. PWD2526WSOB 09816
6. UBN No. PWD2526WSOB09817

(Phool Singh Meena)
Executive Engineer
PWD Division-Dausa

DIPR/C/12078/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, रेगुलेशन खण्ड-तृतीय, बज्जू (बीकानेर)

क्रमांक: 733-36

दिनांक: 19/08/2025

निविदा सूचना संख्या : EE/01 OF YEAR 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस कार्ययोजना की निविदा सूचना संख्या: EE/01OF YEAR 2025-2026 में 13.10-लाख से 143.82 लाख के विभिन्न कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। राज्य सरकार द्वारा जल संयन्धान विभाग एवं निर्माण विभाग के प्रथम श्रेणी में नियुक्त नगरपालिका (समय समय पर संशोधित) प्रभावी आदेशों के तहत पंजीकृत ठेकेदारों एवं रेगुलेशन इकाई में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्चरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट <http://www.sppp.rajjasthan.gov.in>, <http://waterresources.rajjasthan.gov.in> देखे जा सकते हैं। ईन्चुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट <http://eproc.rajjasthan.gov.in> पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है। एवं निविदा प्रपत्र निम्नलिखित अवधि में डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते हैं। सभी विवरण इस कार्ययोजना में भी देखे जा सकते हैं। (NIB01/2025-26 / IGB2526A0049 & IGB2526WSOB00169 to 76 uploading date 20.08.2025)

अधिशाषी अभियन्ता,
रेगुलेशन खण्ड तृतीय, इंगानप बज्जू

DIPR/C/12146/2025

सड़क पर गोवंश मांस मिलने की आशंका पर हंगामा

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में रविवार देर रात सड़क पर गोवंश के मांस के अवशेष मिलने से तनाव फैल गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि किसी ने जानबूझकर गोवंश का वध करके उसके टुकड़े सड़क पर फेंके हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि यह मांस गोवंश का नहीं है बल्कि नगर निगम की कचरा गाड़ी से गिरा है जो मांसाहारी दुकानों का कचरा लेकर बलीचा डॉपिंग यार्ड जा रही थी।

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 11.30 बजे पालीवाल भवन के सामने मुख्य मार्ग पर मांस से भरा कट्टा सड़क पर गिरा हुआ पाया गया, जिसके बाद हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों ने इसे गोवंश का मांस बताकर विरोध प्रदर्शन किया। लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद, पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष ससी पोखरना की शिकायत पर मामला दर्ज होने के बाद स्थिति शांत हुई। पुलिस ने लोगों को आश्वासन दिया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच करके आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलीप सिंह झाला के अनुसार सड़क पर बिखरे मांस के अवशेषों की जांच पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक सुरेश जैन और नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी सत्यनारायण शर्मा द्वारा की गई, जिसमें प्राथमिक जांच में यह गोवंश का मांस नहीं पाया गया। पुलिस ने विस्तृत जांच के लिए सैपल एफएसएल भेजे हैं।

इंगूरपुर जिलेभर में दो दिन से लगातार तेज व मध्यम गति की बारिश का दौर चल रहा है, जिसके कारण कई तालाब व बांध भराव क्षमता को पार कर चुके हैं। वहीं जिले के सबसे बड़े बांध सोम कमला आम्बा के सात गेट एक-एक मीटर खोले गये हैं तथा आसपास के काश्तकारों को सावधान कर दिया गया है।

पेयजल की किल्लत, ग्रामीण पानी की टंकी पर चढ़े

■ ककोड़ गांव में पानी की समस्या को लेकर सोमवार को ग्रामीण टंकी के पास पहुंचे और प्रदर्शन किया

टोंक, (निसं)। जलियारा उपखंड के ककोड़ कस्बे में ग्रामीणों ने पेयजल से परेशान होकर पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार ककोड़ गांव में पानी की समस्या को लेकर सोमवार को ग्रामीण टंकी के पास पहुंचे और प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ महिलाएं

और युवक पानी की टंकी पर चढ़ गए, जहां बाद में प्रशासक (सरपंच) ने उनकी समस्या सुनी तथा उन्होंने बीसलपुर पेयजल परियोजना के

अधिकारियों समेत अन्य अधिकारियों से बातचीत कर जल्द समाधान करने की मांग की। बाद में परियोजना से जुड़े कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पेयजल

तीन भाइयों पर दोस्तों ने चाकू से हमला किया

■ तीनों चचेरे और ममेरे भाई हैं, हमला करने वाले पुराने दोस्त थे

बीकानेर, (निसं)। यहां रानी बाजार इंडस्ट्रियल एरिया में तीन भाइयों पर दो लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। तीनों चचेरे और ममेरे भाई हैं। हमला करने वाले पुराने दोस्त थे, लेकिन बातचीत बंद होने के कारण नाराज थे और अचानक रास्ते में रोककर हमला कर दिया। एक घायल का रात में ही इमरजेंसी में ऑपरेशन करना पड़ा, जबकि दो अन्य का भी ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है।

घायल युवक नीरज के पिता महिपाल ने बताया कि शिवा और उसके साथ एक युवक ने उनके बेटे नीरज, भतीजे मनमोहन और साले के

बेटे अशोक को रास्ते में रोक लिया। आपस में बोलचाल हुई और बाद में हमला कर दिया। इस दौरान तीनों भाइयों के चाकू से चोट लगी। मनमोहन के छाती पर चाकू से वार किया गया, जिससे चाकू के आगे के नुकीले हिस्से से छाती की चमड़ी कट गई। वहीं जाते-जाते नीरज पर भी चाकू से वार किया। नीरज के फेफड़े

के पास ही चाकू लगा है, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। महिपाल ने बताया कि रात में ही ट्रामा सेंटर में ऑपरेशन किया गया। अशोक के भी चोट लगी है। महिपाल ने बताया कि हमला करने वाले शिवा से पुरानी पहचान थी। उसकी संगत को सही नहीं मानते हुए मनमोहन और नीरज को उनके साथ रहने से मना किया था। इसी कारण नाराज होकर शिवा और उसके एक अन्य साथी ने ये हमला कर दिया। फिलहाल, कोटगेट पुलिस ने मौका मुआयना करने के साथ ही एफआईआर दर्ज कर ली है। अब शिवा की तलाश की जा रही है।

कार पलटने से बुजुर्ग महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में सागवाड़ा रोड पर सरकण के पास एक कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि पति-पत्नी समेत तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती कराया है। मंडावारा अरनोद जिला प्रतापगढ़ निवासी रघुराज सिंह पत्नी नंद कुंवर, सास कैलाश कुंवर निवासी मऊ खेरी मंदसौर एमपी और साला

दिग्विजय सिंह चारों कार से गुजरता के अहमदाबाद में इलाज के लिए जा रहे थे। सरकण के पास आते ही कार अनियंत्रित हो गई। हादसा में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चारों घायल हो गए। 108 एम्बुलेंस से चारों को डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने जांच के बाद सास कैलाश कुंवर को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीनों को इमरजेंसी में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है।

कार्यालय नगर परिषद निम्बोहड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक : - नगरी/मेला/2025-26/01

दिनांक : 21/08/2025

प्रस्ताव आगंत्रण सूचना

नगरपरिषद निम्बोहड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय दशहरा मेला 2025 दिनांक 22 /09 /2025 से दिनांक 02 / 10 /2025 तक आयोजित किया जाएगा।। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु राष्ट्रीय दशहरा मेला 2025 में आयोजित किए जाने वाले निम्न कार्यक्रमों हेतु सुयोग्य फर्मो /इवेंट कम्पनी / लोक कला मण्डलों इत्यादि प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है :-

1. अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन 2. भारत वर्ष में ख्यातनाम बौलीवुड गायक मय दल कार्यक्रम 3. लापटार कार्यक्रम 4. रामलीला कार्यक्रम 5. आईस्कॉर्ट कार्यक्रम 6. मेले योग्य अन्य कोई विशेष कार्यक्रम

उक्तानुसार प्रस्ताव नगर परिषद निम्बोहड़ा जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से दिनांक 01 /09 /2025 से दिनांक 08 /09 /2025 तक प्राप्त किए जायेंगे तथा प्राप्त प्रस्तावों पर छंटनी उपरान्त योग्य प्रस्तावों पर दिनांक 12 /09 /2025 को विचार किया जायेगा।। अतः प्रस्तावक अपने प्रस्तावों के साथ अनुभव प्रमाण पत्र एवं पूर्व में सामिक स्थलों /मेला /उत्सव इत्यादि में प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रमों की विडियो /ओ.वी.डी. /फोटो एलबम /प्रमाण-पत्र आदि सहित निम्नलिखित स्थल एवं समय पर व्यक्तिगत रूप उपस्थित होंगे।। उक्त विधिगत एवं राई पोर्टल वेबसाईट www.sppp-rajjasthan.nic.in पर देखी जा सकती है।।

राज.संवा.र/सी/25/8695

प्रशासक

आयुक्त

कार्यालय नगर परिषद निम्बोहड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक : - नगरी/रेट/मेला/25-26/13-14

दिनांक : 21/08/2025

निविदा सूचना

नगरपरिषद निम्बोहड़ा द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी फर्मों / ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र में ऑफ लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण sppp.rajjasthan.gov.in के NIB Code DLB2526A4959 पर भी देख सकते है :-

कार्य निविदा के कार्य

कुल 13 कार्य

निविदा की अनुमानित लागत

राशि 40.50 लाख रुपये

ऑनलाईन निविदा फार्म फिलने की दिनांक

22.08.2025 से 29.08.2025 प्रातः 10 बजे तक

ऑफलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अंतिम दिनांक

29.08.2025 समय प्रातः 11:00 बजे तक

ऑन लाईन राशि जमा करवाने की अन्तिम दिनांक

29.08.2025 समय प्रातः 10:00 बजे तक

बिड खोलने की दिनांक

29.08.2025 समय दोपहर 4.00 बजे

UBN

DLB2526SSOB15395, 15396, 15397, 15398, 15400, 15401, 15402, 15403, 15404, 15405, 15406, 15407, 15408

प्रशासक

आयुक्त

नगर परिषद निम्बोहड़ा

नगर परिषद निम्बोहड़ा

कार्यालय, अधीक्षक, सामूहिक चिकित्सालय संघ, अजमेर

क्रमांक-1241/लेखा-8/जलाभेवि/2025

दिनांक-21/8/2025

ई-टेंडर (UBN No.MCA2526SLOBQ0094)

इस चिकित्सालय हेतु मेडिकेटेड गैस आपूर्ति एवं सिलेण्डर से संबंधित रिपेरिंग कार्य हेतु ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रोक्चरमेंट प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साइट www.eproc.rajjasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

01 निविदा कार्य का विवरण मेडिकेटेड गैस आपूर्ति एवं सिलेण्डर से संबंधित रिपेरिंग कार्य हेतु एक वर्ष हेतु (2025-27)

02 निविदा मूल्य 200.00 लाख

03 निविदा संख्या एवं प्रकाशन की तिथि 1241 12-8-25

04 ग्री-बिड दिनांक / समय बिड 18-8-25 प्रातः 10.30 बजे अघीक्षक कक्ष

05 निविदा डाउनलोड की दिनांक/समय बिड 12-8-25 प्रातः 10.00 बजे

06 निविदा अपलोड की दिनांक/समय बिड 19-8-25 प्रातः 10.00 बजे से बिड 8-9-25 को दोपहर 03.00 बजे तक

07 भौतिक रूप से निविदा शुल्क, बिड सिक्युरिटी राशि, निविदा प्रोसेसिंग शुल्क जमा कराने का समय बिड 8-9-25 को दोपहर 03.00 बजे तक

08 तकनीकी बिड खोलने की दिनांक/समय बिड 9-9-25 को दोपहर 03.00 बजे

निविदाएं खोलने की तिथि को सार्वजनिक अवकाश होने पर निविदाएं अगले कार्य दिवस पर खोली जावेंगी। अपूर्ण रूप से भरी हुई निविदाएं एवं सशर्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होंगी।

अधीक्षक
सामूहिक चिकित्सालय संघ
अजमेर

DIPR/C/11757/2025

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

वाइडर- 344001, दूरभाष - 02982-220674

अल्कालिक ई-निविदा सूचना

अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajjasthan.gov.in/jdvvn1 एवं www.eproc.rajjasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाईन पर निविदा खोलने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले। सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट www.eproc.rajjasthan.gov.in, sppp.rajjasthan.gov.in पर उपलब्ध बरायती जायेगी।

TN	Works	UBN No.
TN-25	(ए) रीडवा के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस रीडवा के लिए 10.00 किमी 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन चान्दना,जैसलमेर में रीडवा (जी)जैसलमेर के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 3.60 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर-2025	JVV2526 WSOE00451
TN-26	(ए) मुन्ना टिम्बा के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस मुन्ना टिम्बा के लिए 23.00 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन मोहनगढ़ में मुन्ना टिम्बा जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 6.5 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर-2025	JVV2526 WSOE00452
TN-27	(ए) केसाव नगर के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस केसाव नगर के लिए 4.5 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी)जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन ग्रामीण में केसाव नगर जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 6.5 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर-2025	JVV2526 WSOE00453

राज.संवा.र/सी/25/8680

संभागीय मुख्य अभियन्ता (वाइडर-संभागा)

किस्ती संघी विकासकों के लिए टेल ग्री नम्बर 1800 180 6045

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आमेर किले का निरीक्षण किया

उन्होंने पिछले दिनों बारिश में ढही रामबाग की दीवार का जायजा लिया

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद, उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की। इस बैठक में आमेर किले के विकास और संरक्षण पर चर्चा हुई। बैठक में किले की दीवारों और अन्य संरचनाओं के रखरखाव, पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों, यातायात और साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बात की गई। अधिकारियों ने वर्तमान स्थिति और प्रस्तावित सुधारों के बारे में जानकारी दी, जिस पर दिया कुमारी ने अपने सुझाव दिए और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सभी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इन धरोहरों के सुधार और विकास के लिए आम लोगों



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया।

और विशेषज्ञों की राय को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से राजस्थान

की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक नई पहचान मिलेगी और पर्यटकों का अनुभव और भी बेहतर होगा। इस

अवसर पर पर्यटन आयुक्त रमणगिरियार, महल अधीक्षक राकेश खोलक, पुरातत्व निदेशक पंकज

■ उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए

■ आधुनिक संरक्षण के लिए आमेर किले में दिया कुमारी ने अधिकारियों के साथ चर्चा की, विकास और सुधार पर बातचीत की

■ राजस्थान की धरोहरों के संरक्षण पर दिया कुमारी ने जताई प्रतिबद्धता

धीरेन्द्र, आमेर विकास प्राधिकरण और टैफिक पुलिस के प्रतिनिधि सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पद्मश्री गीता चंद्रन ने भरतनाट्यम के माधुर्य से कलाप्रेमियों को किया मंत्रमुग्ध

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार की शाम कला और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब पद्मश्री से सम्मानित ख्यातनामा भरतनाट्यम नृत्यांगना गीता चंद्रन ने अपने नृत्यवृक्ष डांस कलेक्टिव के साथ काव्य कथा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सभागार दर्शकों से खवाखच भरा रहा और हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज छाई रही।

शिव स्तुति की दिव्यता, गोविंद वंदना की भक्ति, ऑकारकारिणी की ऊर्जा, वसंत ऋतु की काव्यात्मकता और सूदास के पदों पर आधारित रामायण की लोरी-इन सभी भावनात्मक और आध्यात्मिक पक्षों को गीता चंद्रन ने अपनी विशिष्ट शैली में मंचित किया। संघ्या का समापन ऊर्जावान तिल्लाना के साथ हुआ, जिसे दर्शकों ने खडे होकर सराहा।

गीता चंद्रन के साथ नृत्यवृक्ष की प्रतिभाशाली कलाकार राधिका कथल, मधुरा भूशुंडी, सौम्या लक्ष्मी नारायणन और यादवी शकधर मेनन ने भी मंच पर सामंजस्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर योगदान दिया। जीवंत संगीत के साथ उनकी सामूहिक प्रस्तुति ने दर्शकों के अनुभव को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

प्रस्तुति के उपरांत गीता चंद्रन ने कहा कि भरतनाट्यम उनके लिए केवल नृत्य नहीं, बल्कि प्रार्थना, दर्शन और काव्य का जीवंत संगम है।

देवनारायण पदयात्रा में शामिल महिला को पुलिस बस ने कुचला

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में सोमवार अल-सुबह एक पुलिस बस ने देव नारायण पदयात्रा में शामिल एक महिला भक्त को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके महिला गिर पड़ी और बेहोश हो गईं। इससे गुस्साएं पदयात्रियों ने बस को रोक लिया और बस चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। पदयात्रियों का आरोप है बस चालक ने शराब पी रखी थी और उसके मुंह से बदबू आ रही थी।

एएसआई सोहन लाल के अनुसार सोमवार

■ सोमवार सुबह साढ़े पांच जल महल के सामने हुआ हादसा

सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच जल महल के सामने से देव नारायण भगवान की पदयात्रा निकल रही थी।

तभी आमेर की ओर से आ रही एक पुलिस बस ने अलवर निवासी सरसो देवी (32) पत्नी रामनारायण गुर्जर को जोरदार टक्कर मार दी।

जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। एंबुलेंस की सहायता से उसे एसएमएस के ट्रामा वॉर्ड में भर्ती कराया गया।

गुस्साएं पदयात्रियों ने विरोध करते हुए बस को रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। बस चालक के मुंह से शराब की बदबू आने से पदयात्री और ज्यादा भड़क गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को साइड में खड़ा करवाकर पुलिसकर्मियों को अन्य वाहनों से ड्यूटी पाईंट के लिए रवाना किया।

प्रसार की आमसभा में कैडर रिव्यू समेत कई मुद्दों पर चर्चा

15 से 21 अप्रैल तक मनाएंगे जनसंपर्क सप्ताह, राज्य सरकार की योजनाओं का करेंगे सघन प्रचार

जयपुर । पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र, जयपुर के सभागार में आयोजित हुई। प्रसार अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर आचार्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमार अजय, उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय) धर्मेन्द्र मीणा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) चंद्रशेखर पारीक, महासचिव अभय सिंह भाटी, सचिव मोहित जैन मौजूद रहे। वहीं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. आशीष खंडेलवाल, हेमंत सिंह, आलोक आनंद, कविता जोशी, छोटू लाल जीनगर, वीर सेन, आशीष जैन, सुरेन्द्र बगवाड़ा, संतोष कुमार, दिनेश शर्मा, राकेश कुमार, मनीष कुमार आदि ने भी विचार रखे। बैठक में जनसंपर्क विभाग के कैडर रिव्यू एवं सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव तैयार करने, सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के



पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र जयपुर में आयोजित हुई।

स्थाईकरण, प्रतिवर्ष 15 से 21 अप्रैल तक जनसंपर्क सप्ताह आयोजित करने तथा जनसंपर्क दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर में आयोजित करने, विभागीय कार्यालयों में संसाधनों की वृद्धि सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान जनसंपर्क मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ भी

चर्चा हुई और कैडर रिव्यू से जुड़े प्रस्ताव साझा तरीके से तैयार करते हुए उच्च स्तर तक प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। संगठन की अब तक की गतिविधियों, सदस्यता शुल्क, विभिन्न कमेटीयों के गठन, फोटोग्राफ संग्रह तथा जयपुर के न्यू गेट स्थित रामचं चकार्यालय के विभागीय हित में बेहतर उपयोग के लिए उच्चाधिकारियों

को अवगत करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रसार द्वारा सरकार की युवा कल्याण की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए जाने वाले 'युवा संकल्प' अभियान और जनसंपर्क सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में पूरे सप्ताह सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार का विषय अभियान चलाने के संबंध में भी चर्चा की गई।

गयाना के जार्जटाउन शहर में कृत्रिम अंग व कैलीपर निर्माण का स्थायी केन्द्र खुलेगा

जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति और वेस्टइण्डीज के देश गयाना के बीच एम.ओ.यू. हुआ



वेस्टइण्डीज के देश गयाना में कृत्रिम अंग और कैलीपर के निर्माण का स्थायी केन्द्र खोलने के लिए एमओयू पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की दिल्ली शाखा के चेयरमैन प्रेमनंद राज मेहता तथा गयाना के स्वास्थ्य मंत्री फ्रैंक एंथनी ने हस्ताक्षर किए ।

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) और वेस्टइण्डीज के देश गयाना के बीच एक एम.ओ.यू. के अन्तर्गत गयाना के जार्जटाउन शहर में कृत्रिम अंग और कैलीपर के निर्माण का एक स्थायी केन्द्र स्थापित किया जाएगा। इस केन्द्र की स्थापना में बी.एम.वी.एस.एस. तकनीकी सहयोग देगा और जार्जटाउन में स्थायी केन्द्र की स्थापना करने में गयाना के स्वास्थ्य मंत्रालय को सभी तकनीकी सहायता प्रदान करेगा ।

बी.एम.वी.एस.एस. की ओर से इस एम.ओ.यू. पर प्रेमनंद राज मेहता जो बी.एम.वी.एस.एस. की दिल्ली शाखा के चेयरमैन हैं तथा गयाना के स्वास्थ्य मंत्री फ्रैंक एंथनी ने हस्ताक्षर किए । एम.ओ.यू. के अन्तर्गत

जयपुर फुट और कैलीपर निर्माण के लिए आवश्यक सामान और उपकरण उपलब्ध कराएगा । इसके अलावा गयाना से भेजे गए तकनीशियनों को जयपुर स्थित केन्द्र में प्रशिक्षित करेगा। गयाना में केन्द्र की स्थापना के लिए बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा एक विशेषज्ञ जार्जटाउन भेजा जाएगा जो केन्द्र की स्थापना अपनी निगरानी में करेगा।

उल्लेखनीय हैं कि वर्तमान में जार्जटाउन में इस समय भारतीय कम्पनी कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल लिमिटेड के आर्थिक सहयोग से एक शिविर का संचालन हो रहा है । इस शिविर के लिए कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल आर्थिक सहयोग दे रहा है । शिविर का आयोजन भारतीय उच्चायोग और गयाना सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से सम्भव हो पाया है ।

उल्लेखनीय हैं कि वर्ष 2024 में दूसरे भारत-कैरी-कॉम सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कैरीकॉम देशों को सात प्रमुख क्षेत्रों में सहायता की पेशकश की थी । इसके क्षमता निर्माण, कृषि और खाद्य सुरक्षा क्रिकेट संस्कृति, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य और अन्य सेवा शामिल हैं ।

स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत कृत्रिम पैर लगाने का शिविर लगाया गया। फिजी के प्रधानमंत्री सितीवेनी रोलका जो भारत दौर पर अभी दिल्ली में हैं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने फिजी में दूसरे जयपुर फुट शिविर लगाकर फिजी के विकलांगों को लाभ पहुंचाने की घोषणा की । बी.एम.वी.एस.एस. की छः सदस्यीय तकनीकी टीम जार्जटाउन में विकलांगों को कृत्रिम पैर लगाने गई हुई हैं।

हाईकोर्ट ने जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी दी

माफ़ी मांगने पर पालना के लिए मिला एक दिन का समय

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म मामले में अदालती आदेश के बावजूद आरोपी की कॉल डिटेल अदालत में पेश नहीं करने पर अलवर के राजगढ़ थाने के जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी दी। आखिर में जांच अधिकारी के माफ़ी मांगने पर अदालत ने प्रकरण की सुनवाई एक दिन के लिए टालते हुए जांच अधिकारी को संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को कहा है।

■ दुष्कर्म मामले में अदालती आदेश के बावजूद आरोपी की कॉल डिटेल कोर्ट में पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश शंकर लाल की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच अधिकारी से पूछा कि गत 12 अगस्त के आदेश की पालना में आरोपी के फोन की कॉल डिटेल से जुड़ा रिकॉर्ड पेश

क्यों नहीं किया। इस पर जांच अधिकारी ने कहा कि वह रिकॉर्ड नहीं लाए हैं। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कहीं वह आरोपी को बचाने के लिए तो ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी देते हुए कहा कि 26 अगस्त को रिकॉर्ड पेश किया जाए,

वरना कोर्ट अपने स्तर पर आदेश देगी। पीडिता के वकील बाबुलाल बैरवा ने बताया कि याचिकाकर्ता ने पीडिता के साथ दुष्कर्म किया था। वहीं बाद में उसका विवाह तय होने पर उसके मंगेतर को भी फोन कर जान से मारने की धमकी दी। जिसके चलते शादी के कुछ दिन पहले ही मंगेतर ने विवाह करने से इनकार कर दिया। वहीं सामाजिक रिवाजों के चलते आनन फानन में दूसरे लड़के से पीडिता का विवाह कराया गया। पीडिता के वकील ने अदालत में आरोप लगाया की जांच अधिकारी ने आरोपी को बचाने के उद्देश्य से अनुसंधान किया है और आदेश के बावजूद अदालत में रिकॉर्ड पेश नहीं किया।

कांस्टेबल को बर्खास्त करने वाला 41 साल पुराना आदेश रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग के 41 साल पुराने उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत याचिकाकर्ता को कांस्टेबल पद से सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को सेवानिवृत्त परिणाम के लिए उसकी सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में मानने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रमेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने और बाद में उसकी अपील खारिज करने के दौरान निर्धारित प्रक्रिया

विभाग ने जनवरी, 1984 में उसे निलंबित और बाद में जून माह में बर्खास्त कर दिया। इसके खिलाफ पेश विभागीय अपील भी नवंबर, 1984 में खारिज कर दी गई। याचिका में कहा गया कि उसे 17 सीसीए के तहत छोटा दंड देने के बजाए बर्खास्ती जैसा बड़ा दंड दिया गया। इस दौरान उसे सुनवाई का भी पूर्ण अवसर नहीं दिया गया। इसके अलावा समान आरोप में उसके खिलाफ आपराधिक मामला भी चला। जिस पर सुनवाई करते हुए 31 मार्च, 2000 को कोर्ट ने उसे बरी कर दिया।

इसके बाद उसने साल 2002 में यह याचिका दायर की। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने करीब 18 साल की देरी से याचिका दायर की है। विभागीय अपील के आदेश को तत्काल चुनौती नहीं दी गई। ऐसे में देरी के आधार पर याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने और विभागीय अपीलीय आदेश को रद्द करते हुए उसे सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में मानने को कहा है।

पैक्स व केवीएसएस पर एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण

जयपुर । सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी संस्थाएं उनसे की जाने वाली अपेक्षा के अनुसार पाठ्यदर्शी तरीके से कार्य कर सदस्यों और किसानों का हित सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तर पर सामने आने वाले गैस समितियों की रैंकिंग और परफॉर्मेंस पर असर डालते हैं, ऐसे में निर्धारित मापदण्डों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रैंकिंग पैरामीटर्स पर खरा उतरने का प्रयास किया जाए। राजपाल ने सोमवार को नेहरू सहकार भवन में राज्य के सभी पैरस एवं केवीएसएस हेतु आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रही थीं।



प्रदेश के कई नेशनल और स्टेट हाईवे अभी भारी बारिश से जलमग्न हैं। जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर भी सोमवार को काले बादल मंडराए तो ऐसा लगा कि मौसम विभाग की भारी बारिश को लेकर जारी की गई चेतावनी अगर सही रही तो ये भी जलमग्न होगा, परंतु लेकिन बादल जैसे छाए बरसे नहीं। फोटो: दिनेश भारद्वाज

पांच करोड़ की सायबर ठगी का पर्दाफाश, सात जने गिरफ्तार, सरगना फरार

बड़ी मात्रा में सायबर क्राइम में प्रयुक्त सामग्री व अवैध हथियार बरामद किए

डीडवाना, (निसं)। जिला पुलिस ने सायबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक संगठित सिंडिकेट गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में सायबर क्राइम में प्रयुक्त सामग्री व अवैध हथियार बरामद किए हैं। वहीं गिरोह का मुख्य सरगना दिनेश रणवा पुलिस को पकड़ से फरार हो गया। जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया।

पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया कि प्राप्त सायबर शिकायतों के आधार पर सायबर सेल और डीडवाना वृत्ताधिकारी धरम पुनिया के नेतृत्व में पुलिस टीम को मौलासर थाना क्षेत्र के पीपला का बास गांव के नजदीक तलाई इलाके में एक स्कॉर्पियो कार में बैठे सायबर ठगों की सूचना मिली। टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर सात को दबोच लिया। मुख्य सरगना मौके से फरार होने में सफल हो गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों से 21 एटीएम कार्ड, 22 सिम कार्ड, 10 मोबाइल फोन, एक वाई-फाई ड्रांगल,



पुलिस ने करोड़ों की ठगी मामले में सात जनों को गिरफ्तार किया।

4 चेकबुक, 9 पास बुक, 34 हजार नगद, एक स्कॉर्पियो कार, एक पिस्टल मय मैग्जीन व 12 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। शुरुआती जांच में गैंग से 5 करोड़ रुपये से अधिक की सायबर ठगी के लेनदेन का खुलासा हुआ है।

एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पीपला

का बास, मौलासर निवासी शिवपाल सिंह और जितेन्द्र सिंह, चितावा थाना क्षेत्र के कुकनवाली गांव निवासी विकास कुमार, कुचामन सिटी क्षेत्र के कुकनवाली निवासी रामदेवरााम, उदयपुरा निवासी मुकेश और कमल, तथा आथूना दरवाजा, कुचामन सिटी निवासी आदिल उर्फ मोनू शामिल हैं।

एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि आरोपियों द्वारा आपराधिक षड्यंत्र के तहत भोले-भाले लोगों को कमीशन व लालच देकर उनके बैंक खाते, एटीएम कार्ड, पासबुक व सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लिए जाते थे। इसके बाद सायबर ठगी की राशि इन खातों में डलवाकर एटीएम, चेक या ई-मित्र के माध्यम से

■ डिजिटल अरेस्ट, लिंक भेजकर ठगी और बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देकर उन्हें फंसाने जैसी तरीकों से लोगों को ठगता था।

यह पूरा कार्रवाई पुलिस महानिदेशक राजस्थान जयपुर और अजमेर रेंज आईजी राजेन्द्र सिंह के निर्देशन में, डीडवाना-कुचामन एसपी के तहत भोले-भाले लोगों को कमीशन व लालच देकर उनके बैंक खाते, एटीएम कार्ड, पासबुक व सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लिए जाते थे। इसके बाद सायबर ठगी की राशि इन खातों में डलवाकर एटीएम, चेक या ई-मित्र के माध्यम से

राष्ट्रसंत पुलक सागर ने के.के. गुप्ता के कार्यों की सराहना की

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्रसंत आचार्य पुलक सागर महाराज संसंध का चतुर्मास भव्यता के साथ संपादित हो रहा है। टाउन हॉल नगर निगम प्रांगण में ज्ञान गंगा महोत्सव के विशेष प्रवचन के अवसर पर रविवार प्रातः स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजस्थान सरकार के कोऑर्डिनेटर के के गुप्ता सम्मिलित हुए और आचार्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस विशेष अवसर गौ माता संवर्धन कार्यक्रम में के. के. गुप्ता द्वारा उपस्थित हुकमचंद सावल के केंद्रीय परामर्श समिति सदस्य एवं पर्व उपध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद एवं राष्ट्र संत पुलक सागर को गौ माता की मूर्ति भेंट की तथा स्वच्छ भारत

■ गुप्ता ने स्वच्छता, जल और पर्यावरण संरक्षण में अथक परिश्रम करके डूंगरपुर को श्रेष्ठ बनाया : पुलक सागर महाराज



राष्ट्रसंत पुलक सागर को के.के. गुप्ता ने गौ माता की मूर्ति भेंट की।

का नगर बन चुका है। गुप्ताजी के इन अनुकरणीय कार्यों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह द्वारा भी के.के. गुप्ता को सम्मानित किया गया है। महाराज ने कहा कि गुप्ताजी जैसा व्यक्तित्व देश के प्रत्येक शहर में मिल जाए तो इस देश में स्वच्छता की क्रांति आने में देर नहीं लगेगी और हमारा भारतवर्ष पुनः विश्वरु की उपाधि को प्राप्त करेगा। गुप्ताजी को मेरा अत्यंत आत्मीय आशीर्वाद है।

इस अवसर पर गुप्ता ने बताया कि आचार्य पुलक सागर महाराज का आशीर्वाद मेरे ऊपर बहुत वर्षों से बना हुआ है और मैं वैश्य अग्रवाल समाज से आता हूं, लेकिन जैन समुदाय के साधु संतों का मेरे प्रति विशेष स्नेह है तथा मुझमें भी जैन साधुओं के प्रति अत्यंत श्रद्धा है। नेक नियति से किए जाने वाले कार्यों में ईश्वर के साथ-साथ साधु संतों का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है और उसी

का परिणाम रहा कि डूंगरपुर शहर को नीत नए सोपानों पर लाकर खड़ा कर दिया तथा विश्व पटल पर डूंगरपुर स्वच्छता के क्षेत्र में मिसाल बनकर उभर गया। गुप्ता ने कहा कि मैं डूंगरपुर नगर परिषद का सभापति रहा। हमारे शहर में राष्ट्रीय क्रांतिकारी संत गुरुदेव तरुण सागर महाराज का सबसे पहले जब प्रवेश हुआ इसके बाद राष्ट्र संत आचार्य पुलक सागर महाराज, आनंद सागर महाराज, सुनील सागर महाराज, नवरत्न सागर, प्रद्युम्न विमल महाराज, अभय देव सूरिश्चर महाराज, हेमचंद सूरिश्चर महाराज आदि जब जब किसी भी संत का शहर में प्रवेश हुआ, हमने उन्हें शहर में किसी भी प्रकार की समस्याएं नहीं आने दीं तथा जब भी संत हमारे शहर में प्रवेश करते थे तो हम उनके आगे-आगे फायर ब्रिगेड गाड़ी चलाते थे तथा पानी का छिड़काव पर करते थे, जिससे संत को गर्म सड़क पर चलने में दिक्कत नहीं हो।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का किया लोकार्पण

जोधपुर, (कासं)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश विरोधी ताकतों को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि भारत को छेड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने पहलगाम घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकियों ने वहां लोगों का धर्म पूछकर उनकी हत्या की थी, लेकिन हमारे जवानों ने आतंकियों को धर्म नहीं बल्कि कर्म देखकर मार गिराया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को यहां हनवंत आदर्श विद्यामंदिर लालसागर परिसर में आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने लाल सागर स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में लालसागर परियोजना के तहत तैयार की गई आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का लोकार्पण किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों ने सशस्त्र बलों को पूर्ण समर्थन दिया, जो इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि नागरिक, विशेषकर युवा अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहे तो देश किसी भी कठिनाई का सामना कर सकता है और मजबूत



केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने मारवाड़ राजपूत सभा भवन में शहीद वीरंगनाओं का सम्मान किया।

बन सकता है। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युवाओं द्वारा दिखाए गए उत्साह और दृढ़ संकल्प की सराहना की। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता, उन्होंने कहा कि जहां पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों के धर्म के आधार पर उनकी हत्या की, वहीं भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को शरण देने वालों को उनके कृत्य के आधार पर खाल्ता किया। उन्होंने इस ऑपरेशन को नए भारत की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि रक्षा और शिक्षा का संगम अनूठा होता है और जब इसमें खेल का भी समावेश होता है, तो यह

और भी विशेष बन जाता है। उनके अनुसार यहां से निकलने वाले विद्यार्थी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान प्रदान करती है जबकि रक्षा से सुरक्षा सुनिश्चित होती है। दृढ़ता, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प जैसे गुण एक सैनिक के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने एक खिलाड़ी के लिए। रक्षा, शिक्षा और खेल के इस संगम के लिए छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का आह्वान किया जो ज्ञान, संस्कृति और शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी हो।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि विद्या भारती पिछले छह दशक से संस्कारमय शिक्षा दे रही है। जोधपुर में यह यात्रा 1964 से जारी है और वर्तमान में 17 विद्यालय संचालित हो रहे हैं। विद्या भारती के संगठन मंत्री यतींद्र शर्मा ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में यह बड़ा प्रकल्प विकसित किया जा रहा है। परियोजना समिति अध्यक्ष डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि यह केंद्र रक्षा, खेल, आचार्य प्रशिक्षण, प्रशासनिक सेवाओं, कौशल विकास तथा शोध-आधारित शिक्षा का उत्कृष्ट मॉडल होगा। विद्या भारती जोधपुर प्रांत अध्यक्ष प्रो. नरपत सिंह

■ पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने कर्म देखकर मारा : रक्षा मंत्री

शेखावत ने बताया कि यह केंद्र शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के मूल्यों पर आधारित एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित होगा। परियोजना के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाहों का प्रशंसित पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक निर्ंबाराम, ससंदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित देश-प्रदेश के सांसद, विधायक, सैन्य और प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

वहीं केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने सोमवार को दोपहर में मारवाड़ राजपूत सभा भवन में शहीद वीरंगनाओं का सम्मान किया। सभा के अध्यक्ष हनुमानसिंह खांगटा ने बताया कि मारवाड़ राजपूत सभा की ओर से रक्षामंत्री का अभिनंदन भी किया गया। इस दौरान केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहे।

छह लाख रुपये का अफीम दूध जब्त, चार अभियुक्त गिरफ्तार



सररूढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई की चार जनों को गिरफ्तार किया।

कोटपूतली, (निसं)। निक्टवर्ती सररूढ़ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस ने छह लाख रुपये का अफीम दूध सहित चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया व वारदात में प्रयुक्त स्वीफ्ट गाड़ी जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिस्नोई ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुये बताया कि गत 24 अगस्त की रात्रि को गश्त व नाकाबंदी के दौरान सररूढ़ थाना पुलिस को डीएसटी टीम का कार सवार लोगों से इस बाबत पूछताछ की तो उन्होंने कोई लाईसेंस अथवा अनुज्ञा पत्र होना नहीं बताया।

इस पर पुलिस ने उक्त मादक पदार्थ अफीम दूध का वजन किया तो 1 किलो 780 ग्राम वजन पाया गया, जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत मौके पर ही सील कर जप्त किया। साथ ही स्वीफ्ट गाड़ी को जप्त करते हुये अवैध मादक पदार्थ का परिवहन कर रहे

■ पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त स्वीफ्ट गाड़ी जब्त की

का कारण पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे पाया एवं घबरा गया। कार सवार युवकों ने अपना नाम मोहित मोहन, राजवीर, बलवान उर्फ बल्ले बताया। पुलिस ने गाड़ी की जांच की तो सीट के नीचे प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध पाया गया। कार सवार लोगों से इस बाबत पूछताछ की तो उन्होंने कोई लाईसेंस अथवा अनुज्ञा पत्र होना नहीं बताया।

इस पर पुलिस ने उक्त मादक पदार्थ अफीम दूध का वजन किया तो 1 किलो 780 ग्राम वजन पाया गया, जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत मौके पर ही सील कर जप्त किया। साथ ही स्वीफ्ट गाड़ी को जप्त करते हुये अवैध मादक पदार्थ का परिवहन कर रहे

आरोपी हरिन्द्र राठी (25) पुत्र सरजीत गुर्जर निवासी बार गुर्जर, थाना खेड़की दोला व मोहित मोहन (25) पुत्र मदन लाल राजपूत निवासी सदना पार्क के पास, सैक्टर 10 जिला गुडगांव (हरियाणा) एवं राजवीर (25) पुत्र बलराम गुर्जर व बलवान उर्फ बल्ले (25) पुत्र विश्राम गुर्जर दोनों निवासी मिलकपुर गुर्जर थाना फुलबाग, खैरथल-तिजारा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा जप्त किये गये उक्त मादक पदार्थ अफीम दूध की बाजार किमत करीब छह लाख रुपये हैं। इस संबंध में थाना पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर इस बाबत अनुसंधान किया जा रहा है कि गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों द्वारा यह अफीम दूध कहाँ से लाया गया एवं कहाँ ले जाया जा रहा था। साथ ही इस बाबत पर ही सील कर जप्त किया। साथ ही स्वीफ्ट गाड़ी को जप्त करते हुये अवैध मादक पदार्थ का परिवहन कर रहे

तीस लाख रुपये मुआवजे पर सहमति बनी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में कुंवारी माईस में रविवार को पानी में डूबने से 4 नाबालिगों की मौत के मामले में सोमवार अलसुबह मुआवजे पर सहमति बन पाई। इसके बाद चारों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए एम्बुली हॉस्पिटल मॉच्यूरि में शिफ्ट किया गया, जहां पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए। इससे पहले रविवार शाम चार बच्चे से सोमवार सुबह चार बच्चे तक ग्रामीण और उनके परिजन चारों मृतक बच्चों के शवों के लेकर माईस के बाहर बैठे रहे। कई बार पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में माईस प्रतिनिधि और ग्रामीणों की वार्ता विफल रही। वार्ता में मौजूद रहे बीटीपी नेता अंगूरलाल गमेती ने बताया कि प्रत्येक मृतक बच्चे को 10-10 लाख के हिसाब से कुल 50 लाख मुआवजा और परिवार में एक को माईस में नौकरी की मांग कर रहे थे। आखिरकार कुल 30 लाख यानी प्रत्येक मृतक परिवार को 7.30 लाख मुआवजा दिए जाने पर सहमति बन पाई। इसके बाद शवों को उठाया गया।

बीकानेर, (निसं)। खेतों में बिभिन्न वनस्पति ऐसी होती है जो अपने आप उगती है। किसान इन्हें खरपतवार, अनुपयोगी और नुकसानदेह मानते हैं, लेकिन बीकानेर के हिम्मतानगर निवासी किसान रामेश्वर लाल खींचड़ ने इस सोच को बदला है। उन्होंने न सिर्फ अपने खेत में उगी जंगली झाड़ियों को उपयोगी बनाया बल्कि दो किस्मों का पेटेंट भी लिया है। रामेश्वर अब तक 963 किसानों को इसका प्रशिक्षण देकर ट्रेनर बना चुके हैं।

किसान रामेश्वर लाल ने बताया कि 30 साल पहले इजरायल का एक डॉक्टर बीकानेर आया था। उसने अंग्रेजी में भाषण दिया। मैंने एक पढ़े-लिखे सज्जन से पूछा कि इन्होंने ऐसा क्या कह दिया। सज्जन ने बताया कि कोई भी वनस्पति बेकार नहीं होती, राजस्थान के किसान ग्राफ्टिंग विधि से पेड़-पौधों को किस्म बदलना सीख लें तो यहां की धरती सीना उगल सकती है। बस, वहीं से मैंने टान लिया कि खरपतवार और जंगली अनुपयोगी झाड़ियों को उपयोगी बनाऊंगा। इसके बाद मैं श्रीगंगानगर में एक शिविर में गया, दो दिन रहकर ग्राफ्टिंग विधि सीखी। फिर

बाड़मेर-जैसलमेर जाकर बिना कांटों वाली खेजड़ी की टहनियां लाया। उन्हें अपने बंजर खेत में कांटों वाली अनुपयोगी कुछ झाड़ियों पर चढ़ाकर प्रयोग किया। उनमें 8-10 दिन में कांपले फूटने लगीं और कुछ दिन बाद बेर आने लगे। खेजड़ी पर प्रयोग कर कांटों वाली खेजड़ी को कांटों रहित बनाया। अब तक मैं खेजड़ी की 18 और बेर (हाइब्रिड, आकार में बड़े) की 8 किस्में विकसित कर चुका हूं। इनमें से खेजड़ी की 2 किस्में थार हरित और धोरों की तरकारी का पेटेंट भी अपने नाम कराया है।

किसान खींचड़ ने बताया मैंने अब तक जिन झाड़ियों को कांटों से मुक्त किया, वे साग-सब्जी बनाने और पशुओं के पौष्टिक चारे के काम आ रही हैं। इससे पहले कांटे होने के कारण उनका उपयोग नहीं हो पा रहा था। इससे चारा फ़ी में मिल रहा है जबकि पहले बाजार से सूख चारा 1500 से 2000 और 1000 से 1200 रुपए क्विंटल के भाव से लाना पड़ रहा था। मिट्टी और पानी की समस्या वाले इलाकों में ग्राफ्टिंग विधि से बिना पानी के फलदार पौधे सफलता पूर्वक उगाए जा सकते हैं।

ग्राम मेघा में मिले दुर्लभ डायनासोर प्रजाति के जीवाश्म की जांच की

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले की पंचायत समिति फतेहगढ़ के ग्राम मेघा में एक अत्यंत दुर्लभ वर्टिब्रेट स्केलेटन (कशेरुकी जीवाश्म) प्राप्त हुआ है। इसकी जांच रविवार को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं जीवाश्म वैज्ञानिक प्रो. वीरेंद्र सिंह परिहार द्वारा भूवैज्ञानिक डॉ.

■ ‘यह फाइटासौर नामक डायनासोर प्रजाति का जीवाश्म है, जो जुरासिक काल में पाया जाता था’

■ ‘यह प्राणी मूलतः मगरमच्छ के आकार का था, जिसकी अनुमानित लंबाई लगभग तीन मीटर थी। ये जीव मुख्यतः घने जंगलों में रहते थे’



जयनारायण व्यास विवि के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं जीवाश्म वैज्ञानिक प्रो. वीरेंद्रसिंह ने जीवाश्म का अध्ययन किया।

नारायण दास इण्खिया की सक्रिय भागीदारी एवं उपस्थिति में की गई। प्रो. परिहार ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि यह फाइटासौर नामक डायनासोर प्रजाति का जीवाश्म है, जो जुरासिक काल में पाया जाता था। यह प्राणी मूलतः मगरमच्छ के आकार का था, जिसकी अनुमानित लंबाई लगभग तीन मीटर थी। ये जीव मुख्यतः घने जंगलों में रहते थे और मोटे जल स्रोतों के आसपास विचरण करते थे। डॉ. नारायण दास इण्खिया ने बताया कि यह खोज जैसलमेर ही

नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेघा गांव में मिला जीवाश्म करीब दो मीटर लंबा है, जिसमें सिर, रीढ़ की हड्डी एवं पंजे जीवाश्म रूप में स्पष्ट रूप से संरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि भारत में गोंडवाना क्षेत्र के बाद केवल जैसलमेर में ही इस प्रकार का जीवाश्म रिपोर्ट हुआ है, जिससे जैसलमेर की जीवाश्मीय विविधता और महत्व एक बार फिर सामने आया है। जैसलमेर जिले के मेघा गांव में मिले दुर्लभ डायनासोर प्रजाति के

जीवाश्म के संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह व फतेहगढ़ उपखण्ड अधिकारी लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यक निर्देश जारी कर रहे हैं। शोध ही इस ऐतिहासिक जीवाश्म को सुरक्षित संरक्षित कर आमजन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। यह खोज पुरा-जीव विज्ञान एवं भू-विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को नई दिशा देने के साथ-साथ जैसलमेर को वैश्विक फॉसिल मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करेगी।

